RNI No. : TNHIN/2013/52520 वर्ष - 13 अंक - 253 पृष्ठ - 8 रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 11-04-2026 www.dakshinbharat.com Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 इलाज के साथ बचाव पर जोर देना समय की आवश्यकता : योगी आदित्यनाथ
6 अनिश्चय के भंवर में युद्धविराम का भविष्य
7 परिवार के चक्कर में महिलाएं भूल जाती हैं खुद का ख्याल : ममता कुलकर्णी

फर्स्ट टेक

भ्रामक 'जॉम्बी ड्रग' वीडियो साझा करने के मामले में एक व्यक्ति बेंगलूरु से गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो जिसमें दावा किया गया था कि व्यक्ति तथाकथित 'जॉम्बी ड्रग' के प्रभाव में है, के एक दिन बाद शुक्रवार को पुलिस ने इस मामले में निजी कंपनी के 29 वर्षीय कर्मचारी को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शहर के विद्यारणयापुरा निवासी हेमंत को 'भ्रामक' वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसे पूर्व में जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने बताया कि हेमंत को जब जानकारी हुई कि पुलिस उसकी तलाश कर रही है, तो उसने सोशल मीडिया पर माफीनामा पोस्ट किया। बाद में उसे हिरासत में ले लिया गया।

युद्धविराम वार्ता के लिए अमेरिका और ईरान तैयार

दुबई/एपी। ईरान और अमेरिका के वार्ताकार शुक्रवार को उच्चस्तरीय वार्ता के लिए तैयारी करते नजर आए, जबकि उनके बीच युद्धविराम की स्थिति अब भी डांवाडोल है। इस बीच, इजराइल और हिजबुल्ला ने एक-दूसरे पर गोलीबारी जारी रखी और तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। अब भी कई ऐसे मुद्दे हैं जो युद्धविराम को पटरी से उतार सकते हैं, साथ ही युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए व्यापक समझौते पर बातचीत को भी प्रभावित कर सकते हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड की करीबी और ईरान की अर्धसरकारी समाचार एजेंसी 'तसनीम' ने दावा किया कि शनिवार को होने वाली वार्ता तब तक नहीं होगी जब तक इजराइल लेबनान पर अपने हमले बंद नहीं कर देता। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान जलडमरूमध्य से जहाजों के निर्बाध आवागमन को रोककर ''बहुत ही गलत काम'' कर रहा है, जिससे कभी दुनिया के 20 प्रतिशत तेल का व्यापार होता था।

पुतिन ने यूक्रेन में 32 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन में 'ऑर्थोडॉक्स ईस्टर' सप्ताहांत के दौरान 32 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 'ऑर्थोडॉक्स ईस्टर' के अवसर पर शत्रुता को कुछ समय के लिए रोकने का आह्वान किया था। 'क्रेमलिन' (रूस के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा जारी पुतिन के आदेश में रूसी सेनाओं को शनिवार शाम चार बजे (स्थानीय समयानुसार) से रविवार शाम तक युद्धविराम का पालन करने का आदेश दिया गया है।

11-04-2026 सूर्यास्त	12-04-2026 सूर्योदय
6:21 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
77,550.25	24,050.60
(+918.60)	(+275.50)

सोना	चांदी
15,687 रु.	252,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उलटबांसी

बहरों की सभा सुन रही है,
गूंगे अब गाते मधुर गान।
लूले मैराथन जीत रहे,
बाबाजी देते अतुल दान।
गुणवान सड़क पर घूम रहे,
हो रहा ढपोरों का बखान।
हर तरफ भ्रष्ट ही भ्रष्ट मगर,
अपना भारत फिर भी महान।।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा

विपक्ष बयानबाजी में व्यस्त है, हमारी सरकार काम कर रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे उनके पतन की कामना व बयानबाजी में समय गंवा रहे हैं, जबकि उनकी सरकार का ध्यान जनता के लिए काम करने पर केंद्रित है। बृहस्पतिवार को यहां मरैमलैनगर में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा, हमने अन्नाद्रमुक (अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के उस शासन को हटाया, जिसने तमिलनाडु को 10 वर्षों तक पीछे धकेल दिया था। आपके समर्थन से द्रविड़ मॉडल की सरकार बनी, जो राज्य के लिए एक नयी शुरुआत है। विपक्ष बातें करता है, हम काम करते हैं। उन्होंने कहा कि 'द्रविड़ मॉडल 2.0' (जिसे उनकी पार्टी अपने संभावित दूसरे कार्यकाल के रूप में पेश कर रही है) राज्य के भविष्य का खाका है। अन्नाद्रमुक नेता ई.के. पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि वह नीतिगत मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय चरित्र हनन और झूठ फैलाने में लगे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पलानीस्वामी की हालिया टिप्पणियां मर्यादा की सीमा लांघ चुकी हैं क्योंकि उन्होंने उनकी मौत की दुआ मांगी।

स्टालिन ने अपनी सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने भाजपा और अन्नाद्रमुक के कथित गठजोड़ को लेकर भी निशाना साधते हुए अन्नाद्रमुक को दिल्ली (केंद्र) के इशारों पर काम करने वाला बताया।

आत्मनिर्भर है 'जेन ज़ी'

विविधता और नवाचार को महत्व देता है आज का युवा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 'जेन ज़ी' के बारे में धारणाएं अक्सर अनुचित होती हैं। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के युवा आत्मनिर्भर हैं, निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं और नवाचार तथा विविधता को महत्व देते हैं।

सिंह ने गौतमबुद्ध नगर स्थित 'नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी' के दीक्षांत समारोह में यह बात कही।

'जेन ज़ी' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। उन्होंने कहा कि 'जेन ज़ी' को अक्सर 'आलसी' कहा जाता है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी आत्मनिर्भर है, अपने फैसले खुद लेती है, सहयोग में विश्वास करती है और विविधता को महत्व देती है।

सिंह ने कहा कि समस्याओं को सुलझाने के प्रति 'जेन ज़ी' का दृष्टिकोण व्यावहारिक है, उनमें लचीलापन है और स्वायत्तता की इच्छा है।

उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी 30 वर्ष से कम उम्र की है और इसे महज एक आंकड़ा नहीं बल्कि एक मजबूत राष्ट्रीय शक्ति बताया।

उन्होंने कहा, ''मेरी पीढ़ी अनुशासन और धैर्य पर जोर देती थी, जबकि आपकी पीढ़ी नवाचार और अनुकूलनशीलता पर ध्यान केंद्रित करती है। जब ये दोनों एक साथ आते हैं, तो प्रगति की गति और भी तेज हो जाती है।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि छोटे मन का व्यक्ति हमेशा ईर्ष्या, कुंठा और हताशा के दौर से गुजरता है और उसके जीवन में सुख की प्राप्ति नहीं होती है। उन्होंने कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी कहा करते थे कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं हो सकता।''

सूर्यवंशी फिर साबित हुए धुरंधर

रॉयल्स ने आरसीबी को छह विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय क्रिकेट के 'धुरंधर' सूर्यवंशी के 26 गेंद में 78 रन की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के मैच में शुक्रवार को गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपना अश्वमेधी अभियान जारी रखा।

उनकी उम्र के बाकी बच्चे जहां दसवीं बोर्ड के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं, वहीं बिहार के समस्तीपुर के 15 वर्ष के इस लड़के ने आरसीबी जैसी दिग्गज टीम के खिलाफ 202 रन के लक्ष्य के जवाब में रॉयल्स को दो ओवर बाकी रहते एकतरफा जीत दिलाई। ध्रुव जुरेल ने 43 गेंद में नाबाद 81 रन बनाकर 'फिनिशर' की भूमिका बखूबी निभाई।

रॉयल्स को एक बार फिर धमाकेदार शुरूआत दी सूर्यवंशी ने जो इस सत्र में नामी गिरामी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने में तनिक भी नहीं हिचकिचा रहे हैं। पिछले मैच में जहां उन्हें जसप्रीत बुमराह का मानमर्दन किया तो इस बार जोश हेजलवुड की बारी थी।

टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज हेजलवुड की गेंदों पर सूर्यवंशी ने लगातार तीन चौके जड़े। वहीं तेज गेंदबाज अभिनंदन सिंह की गेंद पर लांग आन सीमा के ऊपर 80 मीटर का छक्का लगाया। उन्होंने 78 रन की अपनी पारी में 74 रन 15 गेंद में आठ चौकों और सात छक्कों के साथ बनाये।

जुरेल और सूर्यवंशी ने दूसरे विकेट के लिये 6 . 1 ओवर में 108 रन जोड़े। जुरेल ने अभिनंदन को खासी नसीहत देते हुए उनके एक ओवर में 24 रन बनाये।

क्रिकेट जगत में जहां 200 के स्ट्राइक रेट की बात होती है, सूर्यवंशी ने 300 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। ऐसा लग रहा है मानो वह रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराने ही नहीं बल्कि आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढने के इरादे से मैदान पर उतरते हैं।

सशस्त्र बलों को एकीकृत और प्रौद्योगिकी से लैस करने की जरूरत : सीडीएस चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संघर्ष के बदलते स्वरूप में हुई प्रगति के कारण एक उभरती हुई युद्ध वास्तविकता बन गई है।

बेंगलूरु/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बलों को एकीकृत, चुस्त और प्रौद्योगिकी से लैस बल के रूप में विकसित होने की तत्काल आवश्यकता है, जो विभिन्न युद्धक्षेत्रों में सुचारु रूप से काम करने में सक्षम हो। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध तेजी से पारंपरिक सीमाओं और समय-सीमाओं से परे जा रहा है।

जनरल चौहान ने 'रण संवाद-2026' नाम से आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि 'मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस' (एमडीओ) अब केवल एक वैचारिक चर्चा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संघर्ष के बदलते स्वरूप में हुई प्रगति के कारण एक उभरती हुई युद्ध वास्तविकता बन गई है।

एमडीओ आधुनिक सैन्य रणनीति है जिसमें थल, जल (समुद्र), वायु, साइबर, और अंतरिक्ष सभी पांचों क्षेत्रों में एक साथ और समन्वित तरीके से युद्ध लड़ा जाता है। सीडीएस ने कहा, ''एमडीओ को इस वर्ष के विषय के रूप में इसलिए नहीं चुना गया कि यह एक प्रचलित शब्द है, बल्कि मुझे लगता है कि यह एक प्रकार की नई वास्तविकता है।''

देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा कि सेवारत अधिकारियों को रणनीतिक चर्चा के केंद्र में रखने के उद्देश्य से आयोजित इस संगोष्ठी ने मध्य स्तर और कनिष्ठ अधिकारियों को भविष्य के युद्ध को लेकर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करने का मौका दिया है।

42 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में 42 माओवादियों के आत्मसमर्पण के साथ राज्य भाकपा (माओवादी) की सशस्त्र इकाइयों से पूरी तरह से मुक्त हो गया है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से 11 तेलंगाना राज्य समिति (टीएससी) से जुड़े हुए थे। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 'पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी' (पीएलजीए) बटालियन का कमांडर सोडी मल्ला उर्फ केशल उन 42 माओवादियों में शामिल है, जिन्होंने मुख्यधारा में शामिल होकर तेलंगाना के डीजीपी के सामने हथियार डाल दिए। डीजीपी ने कहा कि भाकपा (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति के सभी नेताओं के आत्मसमर्पण के बाद शेष टीएससी कैडर को निष्क्रिय कर दिया गया है

नकद बरामदगी मामला: इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। विवादों में घिरे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया है, जिससे उनके खिलाफ जारी महाभियोग की कार्यवाही निष्प्रभावी हो गई है। पिछले साल न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से जली हुई नोटों की गड्डियां बरामद होने के बाद से वह आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास में 14 मार्च, 2025 को होली की रात लगभग 11 बजकर 35 मिनट पर आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी मिलने का दावा किया गया था। आग बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

नौ अप्रैल को राष्ट्रपति को भेजे गए एक पत्र में 57 वर्षीय न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि वह ''अत्यंत दुख'' के साथ अपना इस्तीफा दे रहे हैं और इस पद पर सेवा करना उनके लिए सम्मान की बात थी। राष्ट्रपति को भेजे गए त्यागपत्र में उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति महोदया, मैं आपके सम्मानित कार्यालय पर उन कारणों का बोझ नहीं डालना चाहता जिनके चलते मुझे यह पत्र प्रस्तुत करना पड़ रहा है, लेकिन अत्यंत पीड़ा के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से अपना त्यागपत्र दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।''

वर्मा के इस्तीफे के कारण उन्हें उनके पद से हटाने के उद्देश्य से लंबित महाभियोग की कार्यवाही अब निष्प्रभावी हो जाती है।

घटना के बाद महाभियोग प्रस्ताव से पहले एक पूर्व शर्त के तहत उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य सहित तीन सदस्यीय जांच समिति जांच कर रही थी।

कानून निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि महिलाएं व्यापार, शिक्षा और विज्ञान समेत सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं तथा नीति एवं कानून निर्माण में उनकी भागीदारी भी उसी अनुरूप बढ़नी चाहिए।

बिरला ने यहां राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए), भारत क्षेत्र, पश्चिम जोन-सात के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायतों से लेकर राज्य विधानसभाओं और संसद तक, महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत किया जाना चाहिए और कानून बनाने में उनकी भूमिका को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''महिलाएं व्यापार, शिक्षा और विज्ञान समेत सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और नीति निर्माण एवं कानून निर्माण में उनकी भागीदारी तदनुसार बढ़नी चाहिए।''

बिरला की ये टिप्पणियां संसद के विशेष सत्र से कुछ दिन पहले आईं, जिसमें 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है) में संशोधन किया जाएगा ताकि इसे 2029 के आम चुनावों से लागू किया जा सके।

संसद का बजट सत्र बढ़ा दिया गया है और 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिवसीय विशेष बैठक बुलाया गया है। बिरला ने कहा कि भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, और अब समय आ गया है कि विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया जाए।

आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से सीधे जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जिससे पता चला कि सीमा पार बैठे लोग उत्तरी भारत के रणनीतिक रूप से संवेदनशील स्थानों पर सौर ऊर्जा से चलने वाले सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भारतीय सेना की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। निगरानी नेटवर्क में पंजाब के कपूरथला, जालंधर, पठानकोट, पटियाला और मोगा, हरियाणा के अंबाला, जम्मू-कश्मीर का कठुआ और राजस्थान के बीकानेर और अलवर जैसे शहर शामिल थे। पुलिस के अनुसार, कैमरों को जानबूझकर सैन्य प्रतिष्ठानों, सैनिकों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल होने वाले राजमार्गों और सीमा से जुड़े बुनियादी ढांचे के पास लगाया गया था ताकि गतिविधियों को रिकॉर्ड किया जा सके।

मथुरा में यमुना नदी में नौका पलटने से 10 लोगों की मौत, कई लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शुक्रवार को यमुना नदी में श्रद्धालुओं/पर्यटकों से भरी एक नौका के पलट जाने से 10 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कि राहत-बचाव कार्य जारी है।

मथुरा के जिलाधिकारी (डीएम) चंद्र प्रकाश सिंह ने इस हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया था कि सभी पर्यटक पंजाब के रहने वाले थे।

इसके बाद अधिकारियों ने कहा कि बचाव दल ने चार और लोगों के शव बरामद किये हैं, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। बताया जा रहा है कि नौका में दो दर्जन से अधिक पर्यटक सवार थे।

एक आधिकारिक सूची के अनुसार मृतकों की पहचान कविता रानी (49), चरनजीत (40), रिकेश गुलाटी, मधुर बहल, आशा रानी, पिंकी बहल (38), अंजू गुलाटी, ईशान कटारिया, मीनू बंसल और सपना हंस (55) के रूप में हुई।

बयान में कहा गया कि आठ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा नौका पर सवार रहे 14 लोगों की सामान्य स्थिति है।

बयान में कहा गया है कि पांच लोग अब भी लापता है, जिनमें मानिक टंडन, पंकज मल्होत्रा, ऋषभ शर्मा, यश भल्ला और मोनिका के नाम शामिल हैं।

राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा, सेना की टीम लगभग 50 स्थानीय गोताखोरों के साथ मिलकर बचाव अभियान चला रही हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले शत प्रतिशत भूमि अधिग्रहण हो : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी नए राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को मंजूरी देने से पहले उसके लिए शत प्रतिशत भूमि अधिग्रहण होना चाहिए क्योंकि ऐसा न होने पर यह सड़क निर्माण में एक बड़ी बाधा बनता है।

'विकसित भारत 2047' पर आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि राजमार्ग मंत्रालय के पास 15 लाख करोड़ रुपए मूल्य की राजमार्ग परिसंपत्तियां हैं जिनका मौद्रीकरण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' भूमि अधिग्रहण, वन एवं पर्यावरण मंजूरी राजमार्ग परियोजनाओं के समक्ष पेश होने वाली बड़ी समस्याएं हैं। हमने यह अनिवार्य किया था कि 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना कोई नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शुरू नहीं होगी। अब मेरा मानना है कि 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना नई परियोजनाओं के लिए 'अपॉइंटेड डेट' नहीं दी जानी चाहिए।'' 'अपॉइंटेड डेट' राजमार्ग परियोजनाओं के लिए औपचारिक शुरुआत की तारीख होती है जो यह संकेत देती है कि निर्माण शुरू करने के लिए भूमि अधिग्रहण एवं आवश्यक मंजूरियां पूर्णत: पूरी हो चुकी हैं। गडकरी ने एकबार फिर दोहराया कि राजमार्ग निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने वाले सलाहकार ही सड़कों की खराब हालात के असली जिम्मेदार हैं। मंत्री ने सुझाव दिया कि एनएचएआई के सेवानिवृत्त अधिकारी अपने अनुभव का इस्तेमाल कर डीपीआर तैयार करने के लिए कंपनियां शुरू कर सकते हैं। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) किसी सड़क निर्माण परियोजना की विस्तृत रूपरेखा होती है जिसमें उसके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी, वित्तीय और लॉजिस्टिक विवरण शामिल होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निर्माण उद्योग में काफी संभावनाएं हैं और इसे गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण लागत कम

उज्जैन में बोरवेल में गिरे भागीरथ को निकाला गया, चिकित्सा जांच के लिए भेजा

उज्जैन/भाषा। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में बडनगर तहसील स्थित एक गांव में बृहस्पतिवार शाम बोरवेल में गिरे ढाई वर्षीय भागीरथ को तकरीबन 23 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाल लिया गया लेकिन उसके स्वास्थ्य की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। उज्जैन के जिलाधिकारी रोशन कुमार सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि बच्चे को निकाल लिया गया है और उसे सिविल अस्पताल भेजा गया है। बच्चे की हालत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सिंह ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही सभी एजेंसियां सक्रिय हो गई थीं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच बच्चे को बचाने के लिए सभी वैकल्पिक उपाय भी किए गए। बोरवेल से निकाले जाने के तत्काल बाद उसे एम्बुलेंस में रखकर अस्पताल ले जाया गया। भागीरथ को बचाने के लिए पूरी रात बचाव अभियान चलाया गया और इस दौरान चट्टान के कारण खुदाई में काफी परेशानियां आईं। यह हादसा उज्जैन से करीब 75 किलोमीटर दूर बडनगर तहसील के झलारिया गांव में बृहस्पतिवार शाम लगभग सात से साढ़े सात बजे के बीच हुआ।

भोजशाला है सरस्वती मंदिर और 'ज्ञान पीठ', लंदन में रखी मूर्ति वापस लाई जाए : हिंदू पक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में धार के भोजशाला विवाद के मुकदमे में हिंदू पक्ष के एक याचिकाकर्ता ने शुक्रवार को दावा किया कि 11वीं सदी का यह स्मारक परमार राजवंश के राजा भोज द्वारा स्थापित सरस्वती मंदिर है और इससे जुड़ी 'ज्ञान पीठ' में अलग-अलग विद्याओं का अध्ययन किया जाता था।

याचिकाकर्ता ने कहा कि इस मंदिर में स्थापित सरस्वती की मूर्ति फिलहाल लंदन के एक संग्रहालय में है जिसे वापस भारत लाकर भोजशाला में फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ भोजशाला के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर छह अप्रैल से नियमित सुनवाई कर रही है। सबसे पहले याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनी जा रही हैं।

सुनवाई के पांचवें दिन हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ताओं में शामिल कुलदीप तिवारी के वकील मनीष गुप्ता ने न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी के सामने अपनी दलीलें पेश कीं। गुप्ता ने खंडपीठ के सामने स्पष्ट किया कि उनके मुवक्किल की याचिका भोजशाला परिसर पर मालिकाना हक के दावे को लेकर दायर नहीं की गई है और इसमें अदालत द्वारा इस परिसर का धार्मिक चरित्र तय करने की गुहार की गई है। उन्होंने कहा कि एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान भोजशाला परिसर में मिलीं हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के अवशेष, भित्तिचित्र, शिलालेख और अन्य सामग्री साबित करती है कि यह स्मारक राजा भोज का स्थापित सरस्वती मंदिर है। अपने दावे पर जोर देने के लिए गुप्ता ने खुद राजा भोज की रचित पुस्तक 'समरांगणसूत्रधार' का उल्लेख किया जो मंदिर निर्माण, मूर्तिकला, नगर नियोजन, महलों और घरों की वास्तुकला पर आधारित है।

नायडू ने छह महीने में 10 लाख पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को अगले छह महीनों के भीतर पाइप के जरिए घरों पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) के 10 लाख कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया। यह कदम इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण रसोई गैस की आपूर्ति में आ रही बाधाओं के बीच उठाया गया है।

घरेलू गैस आपूर्ति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने तेल कंपनियों और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुख्य रूप से आयात की जाने वाली तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा दें। नायडू के हवाले से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, उन्होंने अगले छह महीनों के भीतर 10 लाख पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य रखा और अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई देरी न हो। मुख्यमंत्री ने 'दीपम' योजना के लाभार्थियों के बीच पीएनजी अपनाने के फायदों के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

प. एशिया संघर्ष से भारत भेजे जाने वाले पैसे पर पड़ सकता असर: क्रिसिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

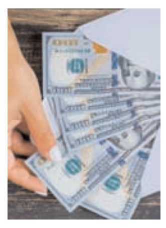

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत में बाहर से आने वाले 'मनीऑर्डर' यानी धन-प्रेषण प्रवाह को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजे जाने वाले कुल धन का एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों से आता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने शुक्रवार को यह कहा।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर जारी एक टिप्पणी में एजेंसी ने कहा कि प्रवासियों की आय में कटौती होने से भारत के चालू खाता घाटे (कैड) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एजेंसी ने सचेत किया, ''उनकी आय में गिरावट का असर भारत के कैड पर ऐसे समय में पड़ सकता है जब व्यापार घाटा पहले से ही दबाव में है।'' भारत दुनिया में प्रवासियों से धन-प्रेषण प्राप्त करने वाला सबसे बड़ा देश है और वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 135 अरब डॉलर से अधिक का प्रवाह मिला था। रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार प्रवाह में व्यवधान और धीमी वैश्विक वृद्धि दर से भारत की निर्यात वृद्धि में कुछ गिरावट आने की आशंका है। हालांकि, भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्कों में कमी से कुछ सहारा मिल सकता है। क्रिसिल ने अपने आधारभूत परिदृश्य में कच्चे तेल की कीमतों में सालाना आठ से नौ प्रतिशत की वृद्धि के कारण आयात बिल बढ़ने की भी आशंका जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संघर्ष के कारण लॉजिस्टिक चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव से पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात प्रभावित हुआ है। भारत ने खाड़ी सहयोग परिषद के देशों को 57 अरब डॉलर का माल निर्यात किया। यह भारत के कुल वस्तु निर्यात का 13 प्रतिशत है। अन्य पश्चिम एशियाई देशों को नौ अरब डॉलर (दो प्रतिशत) का निर्यात किया गया। जीसीसी देशों में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, जबकि अन्य पश्चिम एशियाई देशों में ईरान, इराक, इजरायल, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन आते हैं।

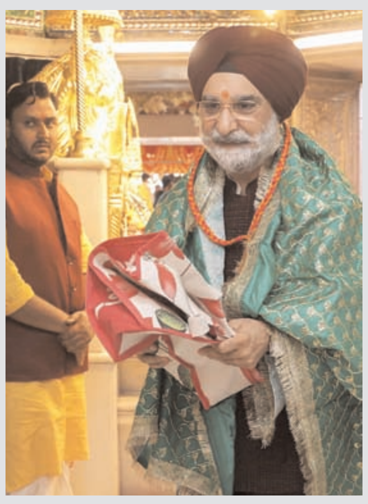

नार्को-आतंकवाद से निपटने के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत : संधू

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को नार्को-आतंकवाद के खिलाफ मजबूत समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि यह सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक और शासन संबंधी चुनौतियों के केंद्र में मौजूद है।

'नार्को-आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए एलजी ने कहा कि नार्को-आतंकवाद अब कोई दूरस्थ खतरा नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह आज की सुरक्षा, आर्थिक और शासन संबंधी चुनौतियों के केंद्र में मौजूद है। मादक पदार्थों का वैश्विक व्यापार संगठित अपराध, धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को बढ़ावा देता है।''

संधू ने मजबूत समन्वय, प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग और एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, जो प्रवर्तन के साथ-साथ रोकथाम पर भी उतना ही ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने रणनीतिक, कानून प्रवर्तन, राजनयिक और शैक्षणिक जगत के विशेषज्ञों की भागीदारी वाले इस सम्मेलन में हुए संवाद को कार्रवाई में बदलने तथा नार्को-आतंकवाद के खिलाफ अधिक समन्वित वैश्विक प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में मार्च में शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपए हो गया। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा बरकरार रहने से इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा है। जुलाई 2025 के बाद यह सबसे अधिक मासिक शुद्ध प्रवाह है तब इक्विटी म्यूचुअल फंड को 42,702 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश प्राप्त हुआ था।

यह वृद्धि मुख्य रूप से फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड में मजबूत निवेश के कारण हुई जिनकी कुल शुद्ध निवेश में बड़ी हिस्सेदारी रही। 'एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया' (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिये मासिक निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले महीने 29,845 करोड़ रुपए था। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में 25,978 करोड़ रुपए के मुकाबले मार्च में इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश बढ़कर 40,450 करोड़ रुपए हो गया।

टाटा संस के प्रमुख ने एयर इंडिया कर्मचारियों से लागत नियंत्रण, सेवाओं में सुधार पर ध्यान देने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को एयर इंडिया के कर्मचारियों से लागत नियंत्रण पर ध्यान देने, सेवाओं में सुधार करने और चुनौतीपूर्ण स्थिति की वास्तविकता को स्वीकार करते हुए जमीन से जुड़े रहने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने एयरलाइन के लिए समूह की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया समूह के मुख्यालय में कर्मचारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''भले ही हमारा भविष्य उज्ज्वल है और हमने अपनी महत्वाकांक्षा के लिए एक ठोस आधार तैयार किया है, लेकिन हम एक चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहे हैं, जिसका प्रभाव विमानन उद्योग में सबसे अधिक दिखाई दे रहा है।'' चंद्रशेखरन ने पुष्टि की कि एयर इंडिया का बोर्ड एयरलाइन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। अभी जो मायने रखता है वह है क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना। उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान उन चीजों पर होना चाहिए जो हमारे नियंत्रण में हैं, जहां हम सुधार कर सकते हैं, लागत के मामले में सटीक हो सकते हैं और स्थिति की वास्तविकता को समझकर जमीन से जुड़े रह सकते हैं।'' यह 'टाउन हॉल' बैठक एयर इंडिया के मुख्य कार्यकापालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन के इस्तीफा देने की पृष्ठभूमि में हुई है। विल्सन ने टाटा समूह की एयरलाइन के साथ अपना सेवा अनुबंध पूरा होने से काफी पहले ही पद छोड़ दिया है।

इफको ने नैनो उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए 560 जिलों में अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लि. (इफको) ने नैनो तरल उर्वरकों के बारे में जागरूकता पैदा करने और पारंपरिक मिट्टी के पोषक तत्वों के उपयोग को कम करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। शुक्रवार को एक बयान में, सहकारी संगठन ने कहा कि उसने भारतीय किसानों के बीच नैनो उर्वरकों को अपनाने के लिए 'इफको नैनो उर्वरक जागरूकता महाअभियान' शुरू किया है।

यह अभियान 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 560 जिलों और 3,477 तहसीलों को अपने दायरे में लेगा। इफको के चेयरमैन दिलीप संघानी ने कहा, ''भारत आज एक ऐतिहासिक चौराहे पर खड़ा है जहां परंपरा तकनीक से मिलती है, और यह संगम है जो भारतीय कृषि के लिए एक नई दिशा बना रहा है।'' संघानी ने बताया कि इस अभियान का मकसद नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो एनपीके, नैनो जिंक और नैनो कॉपर का बड़े पैमाने पर प्रचार करना है, किसानों को सही तरीके से इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण देना, खासकर पत्तियों पर छिड़काव करना, पुराने उर्वरक पर निर्भरता कम करना और सहकारिता नेटवर्क के जरिए आखिरी आदमी तक पहुंच पक्का करना है। इफको ने नैनो तरल यूरिया प्लस की 218 लाख से ज्यादा बोतलें और नैनो तरल डीएपी की 64.26 लाख से ज्यादा बोतलें बेची हैं। इसके नैनो जिंक और नैनो कॉपर उत्पादों ने भी अपने पहले साल में एक के बाद क्रमश: एक 57 लाख और दो लाख बोतलों की बिक्री दर्ज की।

संघानी ने कहा, ''नैनो यूरिया प्लस की एक 500 मिलीलीटर की बोतल, पुराने यूरिया की तुलना में कहीं बेहतर पोषक क्षमता देती है और साथ ही मिट्टी की सेहत में गिरावट, पानी के प्रदूषण और भारत की उर्वरक आयात पर निर्भरता जैसी बड़ी चुनौतियों का भी समाधान करती है।''

टाटा संस का सूचीबद्ध होना जनहित में, सरकार और आरबीआई पर भरोसा : शापूरजी पलोनजी मिस्त्री

नई दिल्ली/भाषा। शापूरजी पलोनजी (एसपी) समूह के चेयरमैन शापूरजी पलोनजी मिस्त्री ने शुक्रवार को एक बार फिर टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि यह केवल नियामक नियमों का पालन नहीं है, बल्कि जनहित में एक जरूरी कदम है। मिस्त्री ने इस मामले में सरकार और आरबीआई द्वारा निर्णायक कार्रवाई किए जाने पर भरोसा जताया।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बारे में एक बयान में मिस्त्री ने कहा, ''एसपी समूह को भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक पर पूरा भरोसा है कि वे टाटा संस को सूचीबद्ध करने के मामले में निर्णायक कदम उठाएंगे।'' उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा कोई ठोस प्रमाण आधारित तर्क पेश नहीं किया गया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने से टाटा ट्रस्ट के हितों को नुकसान होगा या लाभार्थियों की सेवा करने की क्षमता कम हो जाएगी।

मिस्त्री की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है जिनमें कहा गया कि टाटा ट्रस्ट के दो ट्रस्टी- वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह, टाटा संस को सूचीबद्ध करने के पक्ष में हैं, जबकि टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा इस कदम के खिलाफ हैं।

सरकार ने प्राकृतिक शहद के लिए न्यूनतम आयात मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को प्राकृतिक शहद पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) को नौ महीने के लिए इस साल 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। यह कदम सस्ते शहद के आने वाली खेपों को रोकने के मकसद से उठाया गया है। न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) 1,400 डॉलर प्रति टन है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा, ''प्राकृतिक शहद के निर्यात पर मौजूदा 1,400 डॉलर एफओबी (फ्रेट ऑन बोर्ड) प्रति टन एमआईपी को 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है।'' एक अलग अधिसूचना में, डीजीएफटीने कहा कि पंख, खाल और दूसरे वस्तुओं के निर्यात के लिए एक और शर्त जोड़ी गई है।

वेदांता ने जेएएल के लिए अदाणी की बोली को मंजूरी मिलने के मापदंडों पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता समूह ने शुक्रवार को जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. (जेएएल) के कर्जदाताओं द्वारा अपनाए गए बोली मूल्यांकन मापदंडों पर सवाल उठाए। कर्जदाताओं ने इस कर्ज में डूबी कंपनी के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज की कम मूल्य वाली बोली को चुना था। दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी में सुनवाई के दौरान वेदांता लिमिटेड के वकील ने कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने व्यावसायिक बुद्धिमत्ता को खत्म करने के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया का इस्तेमाल किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिजीत सिन्हा ने मूल्यांकन मानकों की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या इसका उपयोग मूल्य को अधिकतम करने के लिए किया गया था या किसी अन्य उद्देश्य के लिए। उन्होंने दलील दी कि वेदांता की बोली अदाणी समूह की तुलना में कुल मूल्य में 3,400 करोड़ रुपए और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) में 500 करोड़ रुपए अधिक थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीओसी की बैठक में कम बोली चुनने पर कोई चर्चा नहीं हुई।

भारत को ऊर्जा के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भरता को लेकर सतर्क रहना होगा: ओएनजीसी चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ओएनजीसी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न ऊर्जा गतिरोध के बाद भारत को तेल एवं गैस की आपूर्ति के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की अपनी जरूरतों का करीब आधा एवं गैस का 30 प्रतिशत और एलपीजी का 85-90 प्रतिशत पश्चिम एशिया से आयात करने वाले भारत को ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति और कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाव के लिए रणनीतिक भंडारण क्षमता बढ़ानी चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि खाड़ी देशों से निर्यात के लिए उपयोग होने वाला प्रमुख समुद्री मार्ग के छह सप्ताह तक बंद रहने से कई आयातक देशों में ऊर्जा संकट पैदा हो गया और भारत को भी गैस आपूर्ति में प्राथमिकता तय करनी पड़ी। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के प्रमुख ने कहा, यह मानकर चलना कि पश्चिम एशिया हमारे नजदीक है और वहां से संसाधन आसानी से मिल जाएंगे, अब सही नहीं रह गया है। सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और बढ़ते तनाव ऊर्जा सुरक्षा को लेकर स्थापित धारणाओं को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परिस्थिति में अब बुनियादी बदलाव आया है। अगर दुनिया भूमंडलीकरण के रुझानों से अधिक उलट जाती है, तो फिर हमें और समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। सिंह घरेलू उत्पादन बढ़ाने की जरूरत बताते हुए कहा कि देश में जहां भी तेल एवं गैस के संसाधन हैं, उनका उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने भारत के लिए अपने ऊर्जा स्रोतों एवं आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। रसोई गैस के संदर्भ में ओएनजीसी प्रमुख ने कहा कि भारत ने इसकी घरेलू आपूर्ति को पहले के 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक पहुंचाया है लेकिन इस काम में एक लागत भी आई है। सिंह ने घरेलू रसोई गैस आपूर्ति के लिए पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस (पीएनजी) को प्राथमिकता देने की वकालत करते हुए कहा कि इससे संकट की स्थिति में रसोई गैस आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी। वैश्विक बाजार में बढ़ती अस्थिरता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि रिफाइनिंग मार्जिन अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित हो गए हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कतर ने भारत को भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति का भरोसा दिया

नई दिल्ली/भाषा। कतर ने भारत के लिए एक भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बने रहने का अपना संकल्प दोहराया है। कतर के ऊर्जा मंत्री साद शेरिदा अल-काबी ने दोहा में भारतीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ बातचीत के दौरान यह आश्वासन दिया। इस दौरान दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में स्थिरता बनाए रखने का आह्वान किया।

भारत सरकार ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि हरदीप सिंह पुरी 9-10 अप्रैल तक कतर की दो दिवसीय यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने इस क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से एकजुटता का संदेश कतर के नेतृत्व तक पहुंचाया।

दोनों पक्षों ने आठ अप्रैल को घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम का स्वागत किया और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में आ रहे व्यवधानों को जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए निर्बाध नौवहन के महत्व पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने मेट्रो में यात्रा के दौरान यात्रियों से बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को मेट्रो ट्रेन में यात्रा की तथा यात्रियों से बातचीत कर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर उनकी राय जानी। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने यहां मेट्रो स्टेशन का दौरा करके सबको चौंका दिया। उन्होंने चेन्नई सेंट्रल से एजी-डीएमएस तक यात्रा की।

इस दौरान महिला यात्रियों ने उच्च शिक्षा के लिए मासिक अनुदान शुरू करने के लिए स्टालिन की सराहना की। उन्होंने कहा कि द्रमुक के सत्ता में लौटने पर गृहिणियों के लिए 8,000 रुपये की कूपन योजना प्रदान करने का आश्वासन एक 'अच्छी योजना' है।

स्टालिन ने कहा, हम अपने नेताओं सीएन अन्नादुरई और एम. करुणानिधि की कल्याणकारी पहलों को जारी रख रहे हैं। उनके साथ उनकी पार्टी के 'थाउजेंड लाइट्स' से उम्मीदवार एन. एझिलन भी थे, जो उसी निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर 'द्रमुक : चेन्नई के विकास की प्रेरक शक्ति' शीर्षक से एक पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, ''यह यात्रा जनता के अगाध प्रेम से भरी रही और उन दिनों की स्मृतियों को ताजा कर गई, जब मेट्रो रेल परियोजना को विकसित किया गया था।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब मैं उपमुख्यमंत्री था, तब मैंने जापान का दौरा किया था और 'जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी' (जाइका) से वित्तीय सहायता प्राप्त की थी। मैंने ही इस पूरी परियोजना का नेतृत्व किया था।'' स्टालिन ने बताया कि मेट्रो के प्रथम चरण (विम्को नगर से हवाई अड्डे और सेंट्रल से सेंट थॉमस माउंट) के परिचालन से अब तक करोड़ों लोग यात्रा कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री के अनुसार, दूसरे चरण के तहत माधवरम से सिरुसेरी, लाइट हाउस से पूनमल्ली और माधवरम से शोलिंगनल्लूर के बीच मेट्रो विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। 116.1 किलोमीटर लंबी इस विस्तार परियोजना को राज्य सरकार ने लगभग 61,843 करोड़ रुपये की संशोधित लागत के साथ मंजूरी दी है।

उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में किया रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को चेन्नई के चेपाक-थिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया। वह दूसरी बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। तमिलनाडु में द्रमुक-नीत धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि वह खुद उम्मीदवार होने के बावजूद पूरे राज्य में गठबंधन के लिए वोट मांग रहे हैं, ताकि राज्य में द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार का गठन सुनिश्चित हो सके।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा, ''क्या आपको पता है कि मैं भी चुनाव लड़ रहा हूं? मैंने अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार नहीं किया है। हमारे उम्मीदवारों को विधानसभा भेजना, मेरी जीत सुनिश्चित करने जैसा है।'' उन्होंने शुक्रवार को चेपक-थिरुवल्लिकेनी में रोड शो किया। यह वही सीट है जहां से उनके दादा एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने 1996, 2001 और 2006 में लगातार तीन बार जीत हासिल की थी। उदयनिधि के 2021 में चुनाव जीतने से पहले, द्रमुक के जे. अंबालगन ने 2011 और 2016 में इस सीट से जीत दर्ज की थी। द्रमुक के युवा प्रकोष्ठ के सचिव ने चेपाक में घर-घर जाकर प्रचार भी किया और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को प्रमुखता से लोगों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि यदि राज्य की जनता द्रमुक को लगातार दूसरी बार सत्ता में लाती है, तो और अधिक विकास संभव होगा। बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में उदयनिधि ने कहा, ''हमने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रविड़ मॉडल सरकार के पांच वर्षों के दौरान ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों के लिए लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताया।'' उन्होंने कहा, ''हम अपने अध्यक्ष (एम.के. स्टालिन) के नेतृत्व में तमिलनाडु और अल्पसंख्यकों को धार्मिक फासीवादी ताकतों से मजबूती से बचाएंगे। फासीवाद खत्म हो और धर्मनिरपेक्ष एकता मजबूत हो।''

शुक्रवार को कराईकुड़ी की ओर चुनाव प्रचार के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकारते हुए टीवीके के प्रमुख।

चुनाव उड़नदस्ते ने मदुरै के समीप टीवीके प्रमुख विजय के वाहन की तलाशी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। एक चुनाव उड़नदस्ते ने शुक्रवार को मदुरै-शिवगंगा सीमा के पास तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के वाहन को रोका और उसकी तलाशी ली। यह तलाशी उस समय ली गयी जब विजय 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपने निर्धारित चुनाव प्रचार के लिए मदुरै से सड़क मार्ग से शिवगंगा जा रहे थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आदर्श आचार संहिता के तहत कड़ी निगरानी कर रहे उड़नदस्ते के कर्मियों ने निर्धारित जांच चौकी पर उनके काफिले को रुकने का संकेत दिया। अधिकारियों ने वाहन की गहन तलाशी ली ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नकदी या प्रतिबंधित सामग्री के परिवहन से संबंधित निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन हो रहा है। ऐसी जानकारी है कि अभिनेता से नेता बने विजय ने तलाशी के दौरान अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि कोई आपत्तिजनक सामग्री या बेहिसाबी नकदी नहीं मिली और औपचारिकताएं पूरी होने के बाद वाहन को आगे जाने की अनुमति दे दी गई। तमिलनाडु में इस महीने के अंत में एक चरण में होने वाले चुनावों को देखते हुए राज्य भर में वाहनों की तलाशी तेज कर दी गई है।

महिलाओं व कनिमोई के खिलाफ पलानीस्वामी की 'अपमानजनक' टिप्पणियों को लेकर द्रमुक का हमला

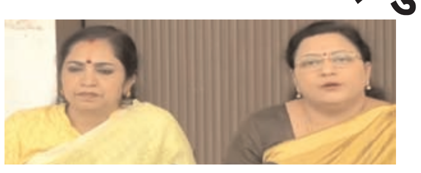

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई.के. पलानीस्वामी पर पार्टी की उप महासचिव कनिमोई करुणानिधि के खिलाफ बेहद अपमानजनक और घटिया टिप्पणी करने के लिए शुक्रवार को हमला बोला। द्रमुक की नेता एवं सांसद तामिझाची थंगापांडियन और कनिमोई सोमू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पलानीस्वामी की हालिया टिप्पणियां हार के डर की पराकाष्ठा को दर्शाती हैं और विपक्ष के नेता को चुनावों में तीसरे स्थान पर रहने का डर सता रहा है। हालिया चुनाव प्रचार के दौरान पलानीस्वामी ने कहा था कि यदि सांसद कनिमोई मुख्यमंत्री स्टालिन पर भरोसा करती रहीं तो उन्हें फिर से तिहाड़ जेल जाना पड़ेगा, जो 2011 में 2जी स्पेक्ट्रम मामले में उनकी गिरफ्तारी का संदर्भ था।

अन्नाद्रमुक नेता ने यह भी कहा कि पार्टी में उनके पास निर्णय लेने की ताकत नहीं है और कोई जिम्मेदारी नहीं होने के बावजूद वह बहुत बोलती रहती हैं। सोमू और थंगापांडियन ने आरोप लगाया कि इस तरह के व्यक्तिगत हमले अन्नाद्रमुक की आदत बन गए हैं। उन्होंने सी. वी. षणमुगम और डिंडीगुल श्रीनिवासन जैसे नेताओं द्वारा महिलाओं पर कथित अपमानजनक टिप्पणियों के पुराने उदाहरण भी गिनाए। कनिमोई सोमू ने कहा, एक महिला की गरिमा का ध्यान रखे बिना उन्होंने (पलानीस्वामी) हमारी नेता का अपमान किया है, जो उनके अपने आत्मसम्मान की कमी को दर्शाता है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी मांगने को कहा। द्रमुक नेताओं ने कहा कि पार्टी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसमें मानहानि का मुकदमा दायर करना और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराना शामिल है। थंगापांडियन ने कहा, शिकायत और मानहानि का मुकदमा दायर करने पर अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद करेगा।

सीजे रॉय सुसाइड केस में एसआईटी का खुलासा : आईटी रेड के दौरान डिप्रेशन बनी मौत की वजह

बेंगलूरु। कर्नाटक के चर्चित उद्योगपति और कॉन्फिडेंट ग्रुप के संस्थापक-चेयरमैन सीजे रॉय की आत्महत्या मामले में एसआईटी ने जांच पूरी कर ली है। जांच में निष्कर्ष निकाला गया है कि रॉय ने आईटी छापे के दौरान दबाव के कारण नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रहे डिप्रेशन के चलते खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। शुक्रवार को अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने इस मामले की जांच एसआईटी को इसलिए सौंपी थी क्योंकि आरोप लगाए जा रहे थे कि आयकर अधिकारियों के दबाव के कारण रॉय ने आत्महत्या की। हालांकि, जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जो बाहरी दबाव की पुष्टि करता हो। एसआईटी की रिपोर्ट के अनुसार, सीजे रॉय लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे और उनका इलाज भी चल रहा था। उन्होंने घटना से करीब एक महीने पहले दवाइयां लेनी बंद कर दी थी।

अधिकारियों का मानना है कि यही एक बड़ा कारण हो सकता है, जिसने उन्हें इस कदम के लिए मजबूर किया। हालांकि, उनके डिप्रेशन की असली वजह क्या थी, यह अभी भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया गया कि 30 जनवरी को बेंगलुरु स्थित उनके कार्यालय में आयकर विभाग की छापेमारी चल रही थी।

''स्ट्रांग रूम'' के बाहर उम्मीदवारों के प्रतिनिधि तैनात किए जा सकते हैं : निर्वाचन आयोग

तिरुवनंतपुरम। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि केरल विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के प्रतिनिधि 'स्ट्रांग रूम'' के बाहर तैनात किए जा सकते हैं। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मतदान संपन्न होने के बाद, चुनाव में इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) इकाइयों को संबंधित उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ''स्ट्रांग रूम'' में रखा गया। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में ईवीएम को सुरक्षित रखा गया। विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई और ''स्ट्रांग रूम'' के चारों ओर सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ दो स्तरीय सशस्त्र सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की गई है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सभी प्रत्याशियों को लिखित रूप से सूचित किया गया है कि वे स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए अपने प्रतिनिधि नियुक्त करें और उन्हें आंतरिक सुरक्षा घेरा के बाहर रहने की अनुमति दी जाएगी। विज्ञप्ति के अनुसार, उम्मीदवारों को ''स्ट्रांग रूम'' की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करा दी गई है।

इससे पहले कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया था कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए उसे अपने कार्यकर्ताओं को ''स्ट्रांग रूम'' के बाहर तैनात करने की अनुमति दी जाए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मतगणना के दिन उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों और निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में वीडियो रिकॉर्डिंग के बीच ''स्ट्रांग रूम'' खोले जाएंगे। केरल विधानसभा चुनाव बृहस्पतिवार को हुए थे और सभी 140 सीटों के नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे।

मलयालम फिल्म निर्देशक रंजीत को यौन उत्पीड़न मामले में जमानत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। कोच्चि की एक अदालत ने शुक्रवार को फिल्म निर्देशक रंजीत को जमानत दे दी। निर्देशक को यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया गया था। न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट एल उषा ने कड़ी शर्तें लगाते हुए उनकी जमानत मंजूर कर दी। अदालत ने रंजीत को अपना पासपोर्ट सौंपने, एर्नाकुलम जिले से बाहर नहीं जाने और फोर्ट कोच्चि में उस जगह पर नहीं जाने का निर्देश दिया जहां फिल्म की शूटिंग हुई थी। उन्हें एक लाख रुपये का मुचलका और इतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने का आदेश दिया।

अदालत ने रंजीत को अगले तीन महीनों तक या मामले में आरोप पत्र दाखिल होने तक हर सोमवार को जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया। एर्नाकुलम उप जेल में बंद रंजीत को जल्द रिहा कर दिया जाएगा। एक अभिनेत्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि फोर्ट कोच्चि में फिल्म की शूटिंग के दौरान निर्देशक ने एक वैन के अंदर उसका यौन उत्पीड़न किया, जिसके बाद निर्देशक को 31 मार्च को थोडुपुझा से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले, पुलिस ने रंजीत से हिरासत में पूछताछ की थी।

जमानत याचिका पर विचार करने के दौरान अभियोजन पक्ष ने यह दावा करते हुए इसका विरोध किया कि रंजीत ने जांच में सहयोग नहीं किया। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि रंजीत ने न तो अपनी गिरफ्तारी पर आपत्ति जताई थी और न ही पहले हिरासत में पूछताछ का विरोध किया था।

बचाव पक्ष ने जमानत का अनुरोध करते हुए उनकी स्वास्थ्य स्थिति का भी हवाला दिया। उनकी स्वास्थ्य और जांच की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अदालत ने उन्हें जमानत दे दी।

भाजपा का 'सामाजिक न्याय' कार्ड; एल. मुरुगन की जीत के लिए झोंकी ताकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए सियासी पारा चढ़ चुका है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने एक कड़ा बयान जारी करते हुए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और द्रमुक सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा इस बार तमिलनाडु में 'सामाजिक न्याय' और 'अनुसूचित जातियों की राजनीतिक स्वतंत्रता' के बड़े लक्ष्य के साथ मैदान में उतरी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन को अविनाशी विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है। भाजपा का कहना है कि यह केवल एक सीट की लड़ाई नहीं, बल्कि अनुसूचित जातियों को राजनीतिक मान्यता दिलाने का एक उदाहरण है। द्रमुक पर 'परिवारवाद' और 'विभाजन' का आरोप: प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री स्टालिन उत्तर और दक्षिण के बीच अलगाववाद की बात कर भारतीय संप्रभुता के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। उन्होंने डीएमके को एक 'राजशाही' और 'भ्रष्ट' पार्टी करार दिया, जहाँ पद केवल लूटने वालों को दिए जाते हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिए कुल 27 उम्मीदवारों में से 6 उम्मीदवार अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग से उतारे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि पीएम मोदी ने मुरुगन को चुनाव हारने के बावजूद राज्यसभा भेजकर और केंद्रीय मंत्री बनाकर पिछड़ों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। भाजपा ने दावा किया कि 2026 में तमिलनाडु में एनडीए (छऊ-) की सरकार बनेगी, जो प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं को धरातल पर उतारेगी। उन्होंने थिरुमावलवन जैसे नेताओं पर 'राजनीतिक स्वार्थ' का आरोप लगाते हुए कहा कि अब जनता इनके चंगुल से मुक्त होगी।

भाजपा प्रवक्ता प्रसाद ने तिरुक्कुरल का हवाला देते हुए कहा कि स्टालिन सरकार ने 'अत्याचारी शासन' चलाया है, जहाँ भ्रष्टाचार, नशीली दवाएं और भारी करों ने जनता का जीना दूभर कर दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चुनाव में तमिलनाडु की जनता डीएमके को हराकर सामाजिक न्याय और विकास के लिए मतदान करेगी। यह चुनाव मुख्यमंत्री स्टालिन की अलगाववादी साजिशों का अंत करेगा और तमिलनाडु में एक नई राजनीतिक क्रांति की शुरुआत करेगा।

चुनाव प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को कोयम्बटूर में वनाथी श्रीनिवासन के समर्थन में चुनाव प्रचार करते हुए केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

फिल्म 'जन नायकन' के कई दृश्य ऑनलाइन लीक, निर्माताओं ने कानूनी कार्रवाई शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन' के कई दृश्य सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही हाई डेफिनिशन (एचडी) में ऑनलाइन लीक हो गये, जिससे बाद फिल्म निर्माताओं ने तुरंत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना के बारे में शुक्रवार की सुबह पता चला, जिसमें अभिनेता के पांच मिनट के परिचय दृश्य और 'टाइटल कार्ड' समेत कई 'क्लिप एक्स', व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं।

सूत्रों के अनुसार, यह फुटेज किसी निजी स्क्रीनिंग या फिल्म निर्माण के बाद के सत्र के दौरान रिकॉर्ड किया गया हो सकता है। फिल्म निर्माण कंपनी 'केवीएन प्रोडक्शंस' ने अपने कानूनी सलाहकार विजयन सुब्रमणियन के माध्यम से एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर पुष्टि की है कि कुछ दृश्यों को अवैध रूप से प्राप्त किया गया है और प्रसारित किया गया है। वकील ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जब नोटिस का मसौदा तैयार किया गया था, तब केवल कुछ ही दृश्य लीक हुए थे। उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि सुबह से ही पूरी फिल्म के लिंक' ऑनलाइन प्रसारित किए जा रहे हैं। नोटिस में चेतावनी दी गई थी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम और अन्य मंचों पर इस तरह की सामग्री को डाउनलोड करना या प्रसारित करना एक गंभीर आपराधिक अपराध और कॉपीराइट उल्लंघन है, जिससे इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति उत्तरदायी होगा। वकील ने कहा, ''मुवक्किल ने पहले ही चिह्नित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।'' उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। इसी बीच, अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने पायरेसी का कड़ा विरोध करते हुए दर्शकों से लीक हुई सामग्री से बचने और सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज का इंतजार करने का आग्रह किया। शिवकार्तिकेयन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हर फिल्म सैकड़ों लोगों के जुनून, खून-पसीने और मेहनत से बनती है - कृपया पायरेसी से बचें। कृपया सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज होने का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में देखें। इसके लिए जो भी जिम्मेदार है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।'' प्रख्यात फिल्म निर्माता और उद्योग विश्लेषक जी धनंजयन ने भी तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''फर्जी हैंडल का इस्तेमाल करके ट्वीट पर वीडियो साझा करने वाले सभी लोगों को साइबर प्रकोष्ठ द्वारा तुरंत ब्लॉक' किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने चेन्नई के क्षेत्रीय सेंसर अधिकारी से बात की और उन्हें इस अत्यावश्यक मामले की जानकारी दी। धनंजयन ने कहा, ''वह दिल्ली स्थित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सभी लिंक हटाने और वीडियो एवं लिंक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।'' यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब यह फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ महीनों से जारी कानूनी लड़ाई में फंसी हुई है। विजय के प्रशंसक विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर एक-दूसरे से आग्रह कर रहे हैं कि वे फिल्म के लिंक को ऑनलाइन प्रसारित न करें।

वाणिज्यिक एलपीजी कोटा बढ़ाकर 70% किया, जमाखोरी के खिलाफ 1500 वितरकों पर छापे

> हमारा ध्यान तीन स्तंभों पर है - उपलब्धता, वितरण और सामर्थ्य। जनता घबराकर खरीदारी (पेनिक बायिंग) न करे, देश के पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। हम अब स्वच्छ और सस्ते विकल्प के रूप में पीएनजी की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं।
>
> - ए.एस. साहनी, अध्यक्ष, आईओसीएल

चेन्नई। क्षेत्रीय ऊर्जा बाजार को स्थिरता देने और ईंधन की किल्लत को दूर करने के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बड़े कदम उठाए हैं। आईओसीएल के अध्यक्ष ए.एस. साहनी ने शुक्रवार को चेन्नई में घोषणा की कि तमिलनाडु के लिए वाणिज्यिक एलपीजी कोटा को तत्काल प्रभाव से बढ़ाकर 70% कर दिया है।

अध्यक्ष ने राज्य की ईंधन स्थिति की समीक्षा के बाद जनता को आश्वस्त किया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है। घरेलू एलपीजी को यह विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्तमान में राज्य की 5 लाख सिलेंडरों की दैनिक मांग का शत प्रतिशत पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रों में 6 से 8 दिनों का वेटिंग पीरियड है, जिसे कम करने के प्रयास जारी हैं। चेन्नई के उपनगरीय इलाकों में 20 दिनों की देरी की शिकायतों पर साहनी ने कहा कि इसका विश्लेषण कर लिया गया है और कल शाम तक स्थिति सामान्य हो जाएगी। अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को बिना किसी प्रतिबंध के शत प्रतिशत आपूर्ति दी जा रही है।

ईंधन की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए सरकार और तेल कंपनियां सख्त रुख अपना रही हैं। राज्य सरकार ने अब तक 10,000 से अधिक अचानक निरीक्षण किए हैं। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीएस)ने पूरे तमिलनाडु में 1,500 से अधिक ठिकानों पर छापे मारे हैं। अनियमितता में शामिल दोषी वितरकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। मौजूदा वैश्विक संघर्षों और समुद्री मार्गों (जैसे होर्मुज जलडमरूमध्य) में धीमी आवाजाही के बावजूद, भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है। श्री साहनी ने बताया कि कच्चे तेल की खरीद का दायरा 25 से बढ़ाकर 41 भौगोलिक क्षेत्रों तक फैला दिया गया है।

गुदड़ी का लाल : मुकुल चौधरी

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की पहचान हमेशा से वीर सैनिकों की धरती के रूप में रही है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए यहां के सपूतों ने जिस शौर्य का परिचय दिया है, वही जज्बा अब खेल के मैदान में भी दिखाई देने लगा है। गुरुवार को ईडन गार्डन्स, कोलकाता के ऐतिहासिक मैदान पर इस जज्बे की झलक देखने को मिली, जब झुंझुनूं के गुढ़ा गौड़जी के युवा खिलाड़ी मुकुल चौधरी ने अपने बल्ले से ऐसा कमाल किया, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया।

मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम हार के कगार पर खड़ी थी। जीत लगभग दूर होती जा रही थी, लेकिन तभी मुकुल चौधरी ने मैदान संभाला। अंतिम ओवरों में उन्होंने जिस निडरता और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की, वह किसी रणभूमि में लड़ते योद्धा से कम नहीं थी।मुकुल ने महज 27 गेंदों में 54 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 2 शानदार चौके शामिल थे। इस पारी ने न सिर्फ मैच का रुख पलट दिया, बल्कि टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया. कोलकाता की टीम को उसी के घर में हार का सामना करना पड़ा।

इस जीत के पीछे एक ऐसी कहानी है, जो हर किसी की आंखें नम कर देती है। मैच के बाद मुकुल चौधरी ने जो कहा, उसने उनकी सफलता को और भी बड़ा बना दिया। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने उन्हें क्रिकेटर बनाने के लिए कर्ज लिया, यहां तक कि घर तक बेच दिया।मुकुल की आंखों में चमक थी, लेकिन शब्दों में जिम्मेदारी अब सबसे पहले मैं अपने पिताजी का कर्ज उतारूंगा उनकी मेहनत और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। झुंझुनूं की धरती ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां के युवा चाहे सीमा पर हों या मैदान में, हर जगह देश और अपने परिवार का नाम रोशन करना जानते हैं।

गहलोत का केंद्र सरकार पर हमला, बोले-पचपदरा रिफाइनरी में देरी से विकास और रोजगार प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पचपदरा रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर वर्तमान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस परियोजना को संभालने के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें लगातार देरी की गई है, जिससे इसकी लागत कई गुना बढ़ गई है। गहलोत ने कहा कि इस परियोजना की शुरुआती लागत लगभग 37,229 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर करीब 80,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी खराब योजना और राजनीतिक कारणों से हुई देरी का नतीजा है। उन्होंने इसे विकास कार्यों में देरी का एक उदाहरण बताते हुए इंतजार शास्त्र का मेगा चैप्टर कहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस परियोजना में जानबूझकर देरी की है, जिससे राज्य की जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय इस परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया था, लेकिन बाद में इसमें रुकावटें आईं।

गहलोत ने यह भी कहा कि इस देरी के कारण राजस्थान की अर्थव्यवस्था और युवाओं के रोजगार के अवसरों पर नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर भाजपा राजस्थान के विकास को लेकर इतनी उदासीन क्यों है? उन्होंने परियोजना की शुरुआत का जिक्र करते हुए बताया कि इसकी परिकल्पना 2008 में कांग्रेस सरकार के दौरान की गई थी। उस समय हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ बातचीत शुरू हुई थी, हालांकि शुरुआत में कंपनी इस परियोजना को लेकर हिचकिचा रही थी। बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद इस परियोजना को मंजूरी मिली थी। उन्होंने यह भी बताया कि सोनिया गांधी ने इसकी आधारशिला रखी थी, जिसका उद्देश्य राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत बनाना था।

गहलोत का कहना है कि सरकार बदलने के बाद इस परियोजना में राजनीतिक कारणों से बाधाएं आईं और काम की गति धीमी पड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से यह महत्वपूर्ण परियोजना प्रभावित हुई है और राज्य के विकास पर इसका असर पड़ा है। अशोक गहलोत ने कहा कि यह प्रोजेक्ट कई साल तक अटका रहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को इसके लिए कई बार विरोध प्रदर्शन करने पड़े और दबाव बनने के बाद ही भाजपा ने 2018 में इस पर दोबारा काम शुरू किया।

गहलोत ने अपनी सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि जब कांग्रेस फिर से सत्ता में आई, तो इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी गई। उनके अनुसार, कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद काम लगातार आगे बढ़ता रहा और उनकी सरकार के दौरान लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट में हुई देरी का सीधा असर रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ा है। गहलोत के मुताबिक इस देरी की वजह से राजस्थान के युवाओं को कई महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित होना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी को कांग्रेस सरकार की एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि जब यह परियोजना लगभग पूरी होने की स्थिति में है तो इसका आकार और प्रगति जनहित के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उनके अनुसार, यह एक ऐसा विकास मॉडल है जिसमें राजनीतिक हितों से ऊपर जनता के हित को प्राथमिकता दी गई।

पचपदरा रिफाइनरी से इस क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, हालांकि इस परियोजना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और बहस अब भी जारी है।

एक घर के अंदर से मिले तीन शव

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले के एक पॉश इलाके में 59 वर्षीय महिला और उसके दो बेटों के शव उनके घर के अंदर मिले। पुलिस ने आशंका जताई है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शव बृहस्पतिवार शाम जोधपुर रोड स्थित अशापुरा टाउनशिप के एक मकान से बरामद किए गए। मकान दो दिनों से बंद था। पुलिस के अनुसार, बड़ा बेटा नरपत लाल (34) पंखे से लटका हुआ मिला, जबकि उसकी मां शांति देवी (59) और छोटा भाई रघुवीर (26) फर्श पर पड़े मिले।

पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह ने बताया कि मौके से दो मोबाइल फोन और एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि दो शवों के पास जहर की बोतल भी मिली। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट से संकेत मिलता है कि बीमारी से उत्पन्न अवसाद के कारण परिवार ने यह कदम उठाया, हालांकि अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

ट्रेलर ने तंबू में सो रहे मजदूरों को कुचला, तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में शुक्रवार तड़के एक ट्रेलर ने तंबू में सो रहे मजदूरों को कुचल दिया जिससे दो नाबालिग लड़कियों और एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा गुढ़ा गौड़जी थाना क्षेत्र अंतर्गत नांगली निर्वाण गांव में हुआ, जहां दो परिवारों के सदस्य कार्यस्थल पर तंबू लगा कर सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, ट्रेलर ने सो रहे मजदूरों को कुचल दिया।

हमारी सरकार कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) में प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, उन्हें वैश्विक स्तर आधारित कृषि प्रणालियों को समझने और अपनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रेल से ग्राम पंचायत स्तर पर किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इसमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें।

शर्मा शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा जहां किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तीकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर्स पर एकेडमिक-संस्थागत एवं विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ तथा ग्वार में प्रथम, मूंग तथा मूंगफली के उत्पादन में द्वितीय तथा सोयाबीन के उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक तरीकें से खेती करते हुए रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करना चाहिए तथा मृदा परीक्षण के आधार पर खेती अपनानी चाहिए, ताकि भूमि की उर्वरता भविष्य के लिए सुरक्षित रह सके। साथ ही, उन्होंने जल संरक्षण के लिए फव्वारा (स्प्रिंकलर) जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने पर भी जोर दिया। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। अब तक राज्यभर में 4 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र स्थापित करवाए जा चुके है। साथ ही, नहरी जल के संग्रहण के लिए कुल 12 हजार 476 डिग्गियों का निर्माण तथा कुल 32 हजार 918 किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन लगाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के माध्यम से 12 लाख से अधिक पशुओं की निःशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की गई है। 1962 मोबाइल वेटरिनरी सेवाएं तथा 536 मोबाइल वाहनों द्वारा करीब 60 लाख पशुओं का उपचार कर 15 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है। साथ ही, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत हमारी सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक स्तर में वृद्धि करने के उद्देश्य से 5 रुपये प्रति लीटर प्रत्यक्ष आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, जिसके तहत राज्य के कृषि क्षेत्र में निवेश के लिए लगभग 43 हजार करोड़ रूपये से अधिक के 2 हजार 539 एमओयू हुए।

यातायात पुलिस ने इलेक्ट्रिक कार का प्रदूषण चालान काटा

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में यातायात पुलिस ने कथित तौर पर एक इलेक्ट्रिक कार का प्रदूषण चालान काट दिया, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सात अप्रैल को जिला मुख्यालय क्षेत्र में कृषि मंडी तिराहे पर हुई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया। अधिकारियों के अनुसार, यातायात पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक ने इलेक्ट्रिक कार को रोका और 1,700 रुपये का चालान जारी कर दिया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र न होने और कार के शीशों पर काली फिल्म चढ़ी होने का हवाला दिया गया। वीडियो में चालक यह तर्क देता दिखता है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन पुलिसकर्मी कथित तौर पर यह कहता नजर आता है कि चालान जारी होगा, क्योंकि पीओएस मशीन में पीयूसी प्रदर्शित नहीं हो रहा। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा कि ईवी के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होती और संबंधित पुलिसकर्मी को इस विषय को ठीक से समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री देश के पहले इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का करेंगे शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रेल को बालोतरा में देश के पहले एचपीसीएल इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी के माध्यम से राजस्थान देश की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनेगा और साथ ही, इससे प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति भी मिलेगी। शर्मा ने आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पचपदरा स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी देश-प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने में कारगर होगी। इस परियोजना की संशोधित लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपये है। इस इकाई की वार्षिक शोधन क्षमता 9 मिलियन मैट्रिक टन है।

इसमें 1.5 से 2.5 मिलियन टन राजस्थान क्रूड और 6.5 से 7.5 मिलियन टन आयातित क्रूड का मिश्रण उपयोग किया जाएगा। यह रिफाइनरी लगभग 4 हजार 400 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इस रिफाइनरी से एलपीजी का व्यावसायिक उत्पादन सफलतापूर्वक प्रारंभ हो चुका है। शर्मा प्रधानमंत्री की प्रस्तावित बालोतरा यात्रा की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मौके पर प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही, वे रिफाइनरी से उत्पादित एलपीजी प्रोडक्ट्स के टेंकर्स को हरी झण्डी भी दिखाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात, सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि यातायात सुचारू रहने के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने रिफाइनरी परिसर में वृक्षारोपण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

अम्बेडकर जयंती के राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों के संबंध में संभागीय आयुक्त ने ली बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष में जयपुर के भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह सहित 11 से 14 अप्रेल 2026 तक आयोजित होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रमो की आवश्यक तैयारियों के संबंध में संभागीय आयुक्त जयपुर वी. सरवन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्टर सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित हुयी।

जिला कलक्टर संदेश नायक की उपस्थिति में संभागीय आयुक्त ने कहा कि भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती को राज्य सरकार की मंशानुरूप भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित की जाए। उन्होंने राज्य स्तरीय समारोह स्थल पर समुचित सुरक्षा, पेयजल एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस आयुक्त, आयुक्तालय जयपुर को दिये।उन्होंने पार्किंग स्थल की साफ-सफाई, समारोह स्थल के समतलीकरण, पर्याप्त चल शौचालयों की व्यवस्था, दिव्यांगजनों हेतु पृथक से शौचालयों की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल के विभिन्न मार्गों की साफ-सफाई, कार्यक्रम स्थल पर दमकल वाहनों की व्यवस्था, डस्टबिन रखने व वेस्ट कलेक्शन पॉइंट स्थापित करने के निर्देश आयुक्त नगरपरिषद को दिये ।

उन्होंने समारोह स्थल पर पर्याप्त टैऋफिक पुलिस बल तैनात करने, ट्रैफिक प्लानिंग, डायवर्जन प्लान तैयार करने, एंट्री व एग्जिट प्वाइंट चिन्हित करने और बैरिकेडिंग से यातायात नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने, के निर्देश पुलिस उपायुक्त, यातायात जयपुर को दिए । संभागीय आयुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर उच्च प्रदर्शन हेतु एलईडी एवं साउंड सिस्टम सहित इनमें समस्त व्यवस्थाएं, वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था हेतु डीजी सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ-साथ उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त संख्या में पंखों, कूलरो की व्यवस्था करवाने के निर्देश अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत को दिए हैं।

नए रूप में निखरेगा जयपुर का राजकीय केंद्रीय संग्रहालय, क्यूआर कोड से मिलेगी पुरावस्तुओं की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में राजकीय केंद्रीय संग्रहालय (अल्बर्ट हॉल) को अब अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दिया जाएगा और इसके लिए विभिन्न तैयारियों के साथ साथ इसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार की ओर से 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संग्रहालय के अधीक्षक महेन्द्र कुमार निम्हल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अल्बर्ट हॉल का संरक्षण और जीर्णोद्धार किया जाएगा, इसकी खूबसूरती में चार-चांद लगाने के लिए विशेष तरह की प्रकाश व्यवस्था जाएगी एवं तीन जगहों पर सेंसरयुक्त दरवाजे लगाए जाएंगे। निम्हल ने बताया कि केंद्रीय संग्रहालय में स्थित 18 विभिन्न दीर्घाओं में अलग-अलग पुरावस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है और इन दीर्घाओं को वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया जाएगा ताकि वहां रखी पुरावस्तुएं खराब नहीं हों। इन दीर्घाओं में अंतरराष्ट्रीय दीर्घा, पॉटरी दीर्घा, मूर्तिकला दीर्घा, लाख की दीर्घा, सिक्का दीर्घा, गलीचा दीर्घा, अस्त्रशस्त्र दीर्घा, काष्ठ कला दीर्घा, संगीत वाद्ययंत्र दीर्घा, आभूषण तथा हस्तिदंत दीर्घा आदि शामिल हैं। निम्हल ने कहा, प्रत्येक दीर्घा में क्यूआर कोड लगाया जाएगा। पर्यटकों को एक बटन दबाने पर राजस्थान के इतिहास, कला-संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा, आभूषण, पगड़ी-साफा, लोकगीत समेत कई जानकारियां मिलेंगी। अधीक्षक ने बताया कि पर्यटन सीजन में इस संग्रहालय में एक दिन में करीब आठ हजार और सामान्य दिनों में 1500 से 2000 पर्यटक आते हैं। ऐसे में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए देश के अन्य राज्यों के केंद्रीय संग्रहालय की तरह अल्बर्ट हॉल को भी अलग तरीके से तैयार किया जाएगा।

निम्हल ने बताया कि स्वागत कक्ष पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी जिसमें अल्बर्ट हॉल का पूरा इतिहास बताया जाएगा। ऐसा होने से पर्यटकों को संग्रहालय के अंदर प्रवेश करने से पहले ही वहां रखी पुरावस्तुओं की जानकारी मिल जायेगी। अधीक्षक ने कहा, रात्रि पर्यटन के तहत पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए रोजाना लाइट शो होगा, जिसमें अल्बर्ट हॉल पर अलगअलग तरह की रोशनी करके पर्यटकों को रोमांचित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संग्रहालय का मुख्य आकर्षण यहां रखी मिस्र की ममी है जिसके इतिहास को जानने के लिए हजारों पर्यटक यहां आते हैं। तूतू नामक महिला की यह मृत देह मिस्र के प्राचीन नगर अखमीन से यहां लाई गई थी। उन्होंने कहा कि यह 322 से 30 ईसवी पूर्व के टोलोमाइक युग की है और इसे कांच के एक विशेष बक्से में सुरक्षित रखा गया है। निम्हल ने बताया कि करीब 2300 साल पुरानी इस ममी का वर्ष 2011 में एक्सरे करवाया गया था, जिसमें पता चला कि उसकी 206 हड्डियां सही सलामत हैं। ममी का एक्सरे भी संग्रहालय में प्रदर्शित है।

अल्बर्ट हॉल के अलावा देश के पांच संग्रहालयों में भी ममी रखी हुई हैं, जिनमें भारतीय संग्रहालय (कोलकाता), तेलंगाना राज्य पुरातत्व संग्रहालय (हैदराबाद), छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (मुंबई), राज्य संग्रहालय (लखनऊ) और वडोदरा संग्रहालय शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अल्बर्ट हॉल की नींव वेल्स के राजकुमार अल्बर्ट एडवर्ड ने 1876 में रखी थी तथा इसका डिजाइन 1887 में वास्तुकार सैमुअल स्विंटन जैकब ने तैयार किया था। इसका निर्माण महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय ने कराया और इसका नाम तत्कालीन प्रिंस अल्बर्ट के भारत दौरे के दौरान रखा गया। वर्तमान में इसमें करीब 24,930 से ज्यादा प्रदर्शनियां हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती है।

अधीक्षक ने बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित 19वीं शताब्दी की पीतल की ढाल में उभरे छोटेछोटे फलकों पर राम कथा अंकित है, वहीं ढाल के चारों ओर रामायण की घटनाओं का वर्णन करते हुए संस्कृत के श्लोक उत्कीर्ण है। उन्होंने कहा कि एक अन्य ढाल पर महाभारत के दृश्यों को दिखाया गया है।

अमित शाह ने यूसीसी, 'भूमिपुत्र मुख्यमंत्री' और 'राम राज्य' के वादे से भाजपा की रणनीति को धार दी

- अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी किया
- पश्चिम बंगाल में हर व्यक्ति के लिए एक ही कानून होगा
- बंगाल में भाजपा का मुख्यमंत्री बंगाल का ही निवासी होगा
- सभी घुसपैठियों को निष्कासित करेंगे और शरणार्थियों को नागरिकता देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को वादा किया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने पर छह महीने के भीतर राज्य में समान नागरिक संहिता लागू (यूसीसी) लागू की जाएगी और ''बंगाल के सपूत'' को मुख्यमंत्री बनाने के साथ ही ''राम राज्य'' स्थापित किया जाएगा। शाह ने विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी करते हुए कहा कि घुसपैठ और तुष्टीकरण के खिलाफ भाजपा के रुख को कल्याणकारी प्रयासों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के इस आरोप को भी खारिज किया कि भाजपा पश्चिम बंगाल के लोगों की खान-पान की आदतों में दखल देगी।

शाह ने 'संकल्प पत्र' जारी करने के बाद प्रेसवार्ता में कहा, ''बंगाल में हर व्यक्ति के लिए एक ही कानून होगा।'' मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बार-बार यह आरोप लगाए जाने के बीच कि यूसीसी तुष्टीकरण की राजनीति के समान है, पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने समान नागरिक संहिता के वादे का बचाव करते हुए कहा कि यह विचार उनकी पार्टी का नहीं, बल्कि संविधान सभा का है। उन्होंने कहा, ''समान नागरिक संहिता की सिफारिश भाजपा की नहीं, बल्कि संविधान सभा की है। तुष्टीकरण की राजनीति के कारण ही यूसीसी इतने लंबे समय तक लागू नहीं हो पाई। जिन-जिन राज्यों में हमने सरकार बनाई है, वहां हमने इसे लागू किया है; और हम बंगाल में भी ऐसा ही करेंगे।'' शाह ने कहा, ''संविधान इस सिद्धांत पर आधारित है कि प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। क्या सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून होना तुष्टीकरण है? या फिर यह तुष्टीकरण है कि एक नागरिक को चार विवाह करने की अनुमति हो और दूसरे को एक? यूसीसी तुष्टीकरण का खात्मा करती है।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने बंगाल में लंबे समय से उठते रहे इस सवाल का भी जवाब दिया कि मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा का चेहरा कौन होगा। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा, ''हम कोई वंशवादी पार्टी नहीं हैं, जहां दीदी के बाद उनका भतीजा अपने आप नेता बन जाता है।''

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के एसआईआर में हेराफेरी का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अंतिम मतदाता सूची की घोषणा के तुरंत बाद शुक्रवार को लखनऊ में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

अखिलेश यादव ने कहा, मौजूदा मतदाता सूची को देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जब भाजपा मुद्दों पर पिछड़ने लगती है, तो वह संस्थाओं की आड़ में चुनाव लड़ती है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी संस्थाएं पहले ही बेनकाब हो चुकी हैं, और अब भाजपा निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत कर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में हुए उपचुनावों में वोटों की लूट और डकैती हुई। उन्होंने कहा कि स्थिति का वर्णन करने के लिए इससे भी कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

झारखंडः छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में प्रधानाचार्य गिरफ्तार

चतरा/भाषा। झारखंड के चतरा जिले में एक स्कूल के प्रधानाचार्य को 14 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की के परिवार द्वारा हण्टरगंज थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद बृहस्पतिवार को 50 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हण्टरगंज थाने के प्रभारी अधिकारी प्रभात कुमार ने कहा, ''प्राथमिकी दर्ज होने के बाद प्रधानाचार्य को जेल भेज दिया गया है। प्रधानाचार्य पर पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम, एससी/एसटी अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।'' उन्होंने बताया कि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की एक महिला सदस्य और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में लड़की का बयान दर्ज किया गया।

उपराष्ट्रपति ने सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को यहां सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया, जो देवनागरी और फारसी दोनों लिपियों में है। उपराष्ट्रपति ने सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए सिंधी भाषी समुदाय को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सिंधी को सबसे प्राचीन और सबसे मधुर भाषाओं में से एक बताया और कहा कि इसकी साहित्यिक परंपरा वेदांत दर्शन एवं सूफी विचारों के एक अद्वितीय संगम को दर्शाती है, जो एकता, प्रेम तथा भाईचारे के सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार सिंधी भाषा में, विशेष रूप से देवनागरी लिपि में संविधान का प्रकाशन, भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि राष्ट्र की जीवंत आत्मा है, जो इसकी आकांक्षाओं को समाहित करता है, अधिकारों की रक्षा करता है और लोकतांत्रिक शासन का मार्गदर्शन करता है।

ओडिशा सरकार ने 3,400 करोड़ रुपए की अटल बस स्टैंड योजना की घोषणा की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शुक्रवार को 'अटल बस स्टैंड' योजना की घोषणा की, जिसके तहत पूरे राज्य में बस स्टैंड स्थापित किए जाएंगे। इस योजना के लिए छह वर्षों की अवधि में 3,400 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित आधुनिक बस स्टैंड में डिजिटल सूचना डिस्प्ले बोर्ड, स्वच्छ प्रतीक्षालय और वाणिज्यिक स्थान जैसी सुविधाएं होंगी। मुख्य सचिव अनु गर्ग ने यहां मीडियाकर्मियों को बताया कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को विभिन्न विभागों के 10 अन्य प्रस्तावों के साथ मंजूरी दी गई।

उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखी गई इस योजना का उद्देश्य राज्य के सभी सार्वजनिक बस स्टैंड का निर्माण, विकास, नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और प्रबंधन करना है। मुख्य सचिव अनु गर्ग ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य के सभी सार्वजनिक बस स्टैंड को 'अटल बस स्टैंड' योजना के तहत एकीकृत प्रबंधन में लाना है, ताकि पूरे राज्य में विकास, नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव और प्रबंधन में समानता सुनिश्चित की जा सके।

खेड़ा के आरोपों के बाद पूरी तरह घबरा गए हैं असम के मुख्यमंत्री : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अपनी पत्नी के पास एक से अधिक पासपोर्ट होने और विदेश में संपत्ति होने के विपक्ष के आरोपों से ''पूरी तरह से घबरा गए हैं''। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पांच अप्रैल को नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में ये आरोप लगाए थे, जिन्हें मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने खारिज कर दिया था। रिंकी भुइयां शर्मा ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी।

गोगोई ने कहा कि किसी के पीछे पुलिस लगाने से सच छिप नहीं सकता। उन्होंने शर्मा की पत्नी के शिकायत दर्ज कराने के बाद असम पुलिस द्वारा खेड़ा के दिल्ली स्थित घर की तलाशी लेने का ज़िक्र करते हुए यह बात कही।

गोगोई ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मुझे लगता है कि पवन खेड़ा की प्रेस वार्ता के बाद हिमंत विश्व शर्मा पूरी तरह से घबरा गए हैं। तब से, वह सचमुच अपने बाल नोंच रहे हैं।''

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खेड़ा को उस मामले में एक हफ़्ते के लिए अस्थायी अग्रिम ज़मानत दे दी, जिसे असम पुलिस ने रिंकी भुइयां शर्मा की शिकायत के आधार पर दर्ज किया था।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि इन आरोपों के बाद शर्मा ''अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं, और पत्रकारों तथा मालिकों को धमका रहे हैं।''

इलाज के साथ बचाव पर जोर देना समय की आवश्यकता : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि देश को दीर्घकालिक रूप से स्वस्थ और उत्पादक बनाना है, तो चिकित्सा व्यवस्था को इलाज-केंद्रित मॉडल से आगे बढ़ाकर जन-जागरुकता और जीवनशैली में सुधार पर आधारित मॉडल की ओर ले जाना होगा।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सम्मेलन 'एनआईसी-2026' को संबोधित करते हुए यह बात कही।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर स्वास्थ्य अवसंरचना और किफायती उपचार के विस्तार पर काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर बीमारियों से पहले ही बचाव को प्राथमिकता देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उनका कहना था कि मजबूत उपचार व्यवस्था और व्यापक बचाव अभियान का यह द्विस्तरीय दृष्टिकोण भविष्य की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री ने गैर-संचारी रोगों (नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज) को समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण ये बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या स्वस्थ जीवन का आधार रही है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में बचाव और उपचार दोनों पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। आदित्यनाथ ने कहा कि जागरुकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित करना बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गंभीर बीमारी पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट बन जाती थी, क्योंकि न पर्याप्त स्वास्थ्य संस्थान थे और न ही विशेषज्ञों की उपलब्धता। लेकिन पिछले वर्षों में इस स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है, जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य कवरेज योजनाओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष से लगभग 1400 करोड़ रुपए उपचार के लिए उपलब्ध कराए गए, जो सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। आदित्यनाथ ने बताया कि एक दशक पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, जबकि अब केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से उनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है और दो एम्स भी संचालित हैं।

नीतीश कुमार ने बनाया रिकॉर्ड, चारों सदनों के सदस्य रहने वाले नेताओं में शामिल

राज्यसभा सदस्य के रूप में नीतीश कुमार ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर एक कीर्तिमान स्थापित किया। वह लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद-चारों सदनों के सदस्य रहने वाले बिहार के चुनिंदा नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं।

इस उपलब्धि के साथ नीतीश कुमार उन नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने चारों विधायी सदनों की सदस्यता का अनुभव प्राप्त किया है। इस विशिष्ट 'क्लब' में राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत सुशील कुमार मोदी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि का नाम भी शामिल है।

राजनीतिक विश्लेषक अरुण कुमार पांडे का मानना है कि चारों सदनों की सदस्यता का अनुभव किसी भी नेता को विधायी प्रक्रिया की व्यापक समझ प्रदान करता है। नीतीश कुमार का यह रिकॉर्ड उन्हें भारतीय राजनीति में व्यापक संसदीय अनुभव रखने वाले नेताओं की श्रेणी में स्थापित करता है।

उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार ने कुछ दिन पहले ही संकेत दिया था कि वह राज्यसभा के सदस्य बनकर चारों सदनों में कार्य करने का अनुभव हासिल करना चाहते हैं। राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही उन्होंने यह उपलब्धि हासिल कर ली।

नीतीश कुमार पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

मथुरा में यमुना नदी में नौका पलटने से 10 लोगों की मौत, कई लापता

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शुक्रवार को यमुना नदी में श्रद्धालुओं/पर्यटकों से भरी एक नौका के पलट जाने से उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लापता हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि राहत-बचाव कार्य जारी है। मथुरा के जिलाधिकारी (डीएम) चंद्र प्रकाश सिंह ने इस हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया था कि सभी पर्यटक पंजाब के रहने वाले थे। इसके बाद अधिकारियों ने कहा कि बचाव दल ने चार और लोगों के शव बरामद कर लिए हैं, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। बताया जा रहा है कि नौका में दो दर्जन से अधिक पर्यटक सवार थे। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें लगभग 50 स्थानीय गोताखोरों के साथ मिलकर बचाव अभियान चला रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक गुलाब नामक एक स्थानीय गोताखोर ने बताया कि अब तक लगभग 15 लोगों को नदी से बाहर निकाला जा चुका है।

केंद्र को महिला आरक्षण विधेयक पर व्यापक परामर्श करना चाहिए: माकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार को विधायी निकायों में महिला आरक्षण के प्रस्तावित कानून और संबंधित परिसीमन प्रक्रिया पर व्यापक परामर्श करना चाहिए। माकपा ने कहा कि इस परिसीमन प्रक्रिया से लोकसभा सीट की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

राजनीतिक लाभ के लिए महिला आरक्षण पर बुलाई गई संसद की बैठक : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक लाभ लेने के लिए महिला आरक्षण कानून में संशोधन करने के लिए संसद की तीन दिवसीय बैठक बुलाई है, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह भी कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत के अनुपात में वृद्धि को लेकर जिस परिसीमन की बात हो रही है, उसके गंभीर परिणाम होंगे, ऐसे में परिसीमन को लेकर गहन विचार-विमर्श की जरूरत है।

खरगे ने निर्वाचन आयोग पर ''गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय'' की तरह काम काम करने का आरोप लगाया और कहा कि उससे यह उम्मीद करना बेमानी है कि वह आचार संहिता के उल्लंघन के इस मामले पर गौर करेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी सरकार लंबी खामोशी के बाद महिला आरक्षण पर अचानक सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के मसले पर 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद की बैठक होने जा रही है। सरकार की ओऱ से इस बारे में अभी तक हम लोगों के पास कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं आया है। प्रधानमंत्रीजी के लिखे लेख को पढ कर हमें कुछ बातें पता चली हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इस सत्र में सरकार महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक को पास कराना चाहती है, ताकि इस बार के विधानसभा चुनावों में वे इसका श्रेय और फायदा ले सकें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''अभी तक जो जानकारियां मिली हैं, उसके मुताबिक सरकार महिला आरक्षण को 2029 के चुनावों से लागू करना चाहती है। इसके अलावा वह लोकसभा और विधानसभाओं की मौजूदा सीटों को 50 प्रतिशत बढ़ाना चाहती है। वह लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करना चाहती है।

'जीत पक्की नहीं लगने पर भाजपा ने असम चुनाव में बाहर के लोगों को उतार दिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेंतुलिया (पश्चिम बंगाल)/ भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम में निवासियों के वोट के दम पर अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं थी इसलिए वह वहां के चुनाव के लिए बाहर से लोगों को लेकर आई।

बनर्जी ने उत्तर 24 परगना जिले के तेंतुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार के रहते देश में कोई भी एजेंसी तटस्थ नहीं है क्योंकि भाजपा ने ''सबको खरीद लिया है।'' उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को लेकर एक ट्रेन असम भेजी गई।'' असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को एक चरण में हुआ।

पश्चिम बंगाल में दो चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप तेज होने के बीच बनर्जी ने कहा, ''सांप पर भरोसा किया जा सकता है लेकिन भाजपा पर नहीं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में भी बाहर से लोगों को लाने के लिए इसी तरीके का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है और इसी कारण अधिकारियों का तबादला किया गया।

निर्वाचन आयोग ने चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला किया था। उन्होंने कहा, ''लोग, पैसे और मादक पदार्थ लाये जा रहे हैं

लेकिन हमारे कार्यकर्ता मुकाबला करेंगे और जीतेंगे।''

बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के दौरान मतदाता सूची से 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं।

तृणमूल प्रमुख ने कहा कि एक अखबार की खबर के अनुसार, हटाए गए 90 लाख नाम में से 60 लाख हिंदुओं के और 30 लाख मुसलमानों के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि असम में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) की प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए 19 लाख नामों में से 13 लाख हिंदुओं और छह लाख नाम मुसलमानों के थे।

बनर्जी ने मतदाताओं से उन्हें राज्य की सभी 294 सीट से तृणमूल उम्मीदवार मानने का आग्रह करते हुए कहा, ''अगर आप मेरे नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार चाहते हैं, तो सभी सीट पर मैं उम्मीदवार हूं।''

बनर्जी ने कहा कि देश की सीमाएं केंद्र के अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षित हैं। उन्होंने पूछा कि बांग्लादेश से घुसपैठ के लिए टीएमसी सरकार को क्यों दोषी ठहराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर घुसपैठ हुई है तो अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि हमारे पास घुसपैठ को बढ़ावा देने के संसाधन नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल 'घुसपैठियों का कारखाना' नहीं है, बल्कि यह राज्य दयालु लोगों के लिए आश्रय स्थल है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा भविष्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) की योजना बना रही है लेकिन टीएमसी सरकार राज्य में इस तरह की प्रक्रिया को होने नहीं देगी।

सुविचार

एकाग्रता ही शक्ति है। एक समय में एक ही काम करें, लेकिन उसे पूरी शिद्दत के साथ पूरा करें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान : मध्यस्थ या मोहरा?

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच युद्धविराम में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता को भारत की विदेश नीति के लिए झटका बताया जा रहा है! विपक्ष के कुछ नेताओं ने यह साबित करने में पूरी ऊर्जा लगा दी है कि पाकिस्तान को मौका मिलने से भारत की विदेश नीति फेल हो गई है। हालांकि वे इसका दूसरा पहलू नहीं देख रहे हैं। अभी सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि दोनों पक्षों में कोई समझौता हो पाएगा या नहीं? कागजों पर हस्ताक्षर ही होंगे या धरातल पर उसका असर दिखाई देगा? ट्रंप ने जब से युद्धविराम संबंधी घोषणा की है, उस पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। ईरान में धमाके पूरी तरह रुके नहीं हैं। वह भी मौका देखकर धावा बोल रहा है। उधर, इज़राइल हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर बम बरसा रहा है। लेबनान सुलग रहा है। जब कोई समझौता होने से पहले ऐसी तस्वीर है तो इसका भविष्य क्या होगा? अभी, ईरान और इज़राइल के मीडिया में क्या चल रहा है? दोनों तरफ के नेता आस्तीनें चढ़ा रहे हैं। अगर ऐसे माहौल में कोई समझौता हो गया तो वह कितने दिन टिकेगा? ट्रंप ने पाकिस्तान को बहुत सोच-समझकर बीच में लिया है। उसके प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख उनकी कोई बात टाल नहीं सकते। जैसे ही समझौते की शर्तों पर हस्ताक्षर होंगे, ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार पर दावेदारी जताने के लिए अपने पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर देंगे। वे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख के मुंह से भी यह कहलवाएंगे कि 'ट्रंप बहुत बड़े शांति पुरुष हैं'। भले ही समझौते के बाद अमेरिका-इज़राइल दोबारा ईरान के साथ गुत्थमगुत्था हो जाएं। पाकिस्तान एक अगंभीर देश है। उसके शब्दों पर किसी को विश्वास नहीं है। ट्रंप को भी नहीं है। कहीं वे उसे बलि का बकरा तो नहीं बना रहे हैं? अगर समझौते के बावजूद हमले नहीं रुके तो ईरान भड़क सकता है। वह अपनी मिसाइलों का रुख पाकिस्तान की ओर कर सकता है। जनवरी 2024 में इन दोनों देशों के बीच टकराव हो चुका है।

वास्तव में ट्रंप पाकिस्तान को अपने फायदे के लिए मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर कल वे उसी पर सारा दोष डाल दें तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति का मिजाज मौसम की तरह पलट रहा है। उनके बयानों में भारी विरोधाभास है। अच्छा है कि वे पाकिस्तान के कंधे पर रखकर बंदूक चलाएं और पाकिस्तानी हुक्मरान उनकी जय-जयकार करें। भारत को ऐसे समझौते के लिए मध्यस्थ बनना भी नहीं चाहिए, जिसके सफल होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। यह समझौता न तो ईरानी नेतृत्व की जिद पर लगाम लगा पाएगा, न ट्रंप के बेतुके फरमानों पर विराम लगा पाएगा। शांति के लिए दोनों ही पक्षों में ईमानदारी का घोर अभाव है। सोचिए, अगर पाकिस्तान के बजाय भारत इस समझौते में मध्यस्थ बनता तो क्या होता? उस स्थिति में विपक्ष के नेता यह कहकर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना करते कि 'पराई पंचायती में कूदने की क्या जरूरत थी? ... क्या आपको इस समझौते का भविष्य नहीं मालूम था? ... क्या आपको ट्रंप के बड़बोलेपन की जानकारी नहीं थी?' उस स्थिति में ईरान के साथ भारत के संबंध खराब होते। इज़राइल के साथ भी रिश्ते बिगड़ते। तब विपक्ष यह कहकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेता, 'करवा दी शांति? ... बन गए विश्वगुरु? ... मध्यस्थता के चक्कर में करवा ली किरकिरी? ... क्या जरूरत थी ऐसा करने की? ... क्या अपने देश में समस्याओं की कमी है? ... महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे ... कितनी समस्याएं हैं! ... अपने देश की परवाह नहीं है, अपने झगड़े मिटते नहीं हैं, दुनिया में शांति करवाने चले हैं!' जिस समझौते की नींव बिल्कुल खोखली हो, उसमें मध्यस्थता पाकिस्तान को मुबारक हो!

ट्वीटर टॉक

नीतीश कुमार जी भारतीय राजनीति में उन दुर्लभ लोगों में से एक हैं जिन्होंने अपने कामों से अपने लंबे अनुभव, प्रशासनिक कुशलता और अच्छे शासन के प्रति प्रतिबद्धता को साबित किया है। उनके नेतृत्व में बिहार ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में जो तरक्की की है।

-शिवराजसिंह चौहान

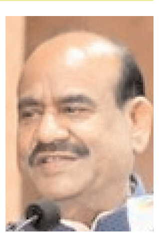

लोकतंत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बहुत ज़रूरी है। लेजिस्लेचर में महिलाओं की संख्या बढ़नी चाहिए; इसी मकसद से नए पार्लियामेंट बिल्डिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास किया गया।

-ओम बिरला

कामखेड़ा बालाजी धाम मंदिर में दर्शन के लिए गया और दुष्यंत सिंह की पैदल यात्रा के चौथे फेज़ के उद्घाटन प्रोग्राम में शामिल हुआ। यह पैदल यात्रा सिर्फ़ एक इवेंट नहीं है, बल्कि हर इंसान से जुड़ने, उनकी समस्याओं को समझने और विकास के संकल्प को पूरा करने का एक मज़बूत ज़रिया है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

जन्मभूमि की सुगंध

भगवान श्रीराम ने लक्ष्मण जी को आदेश दिया कि लंका जाकर विभीषण का राजतिलक संपन्न कराओ। लक्ष्मण लंका पहुंचे तो स्वर्ण नगरी की अनूठी शोभा तथा चमक-दमक ने उन्हें मोह लिया। लंका की वाटिका के तरह-तरह के सुगंधित पुष्पों को वे काफी समय तक निहारते रहे। विभीषण का विधिपूर्वक राजतिलक संपन्न कराने के बाद वे श्रीराम के पास लौट आए। उन्होंने श्रीराम के चरण दबाते हुए कहा, 'महाराज, लंका तो अत्यंत दिव्य सुंदर नगरी है। मन चाहता है कि मैं कुछ समय के लिए लंका में निवास करूं। आपकी आज्ञा की प्रतीक्षा है।' श्रीराम लक्ष्मण का लंका नगरी के प्रति आकर्षण देखकर बोले, 'लक्ष्मण, यह ठीक है कि लंका सचमुच स्वर्गपुरी के समान आकर्षक है, प्राकृतिक सुषमा से भरपूर है, किंतु यह ध्यान रखना कि अपनी मातृभूमि अयोध्या तो तीनों लोकों से कहीं अधिक सुंदर है। जहां मानव जन्म लेता है, वहां की मिट्टी की सुगंध की किसी से तुलना नहीं की जा सकती है।' लक्ष्मण अपनी जन्मभूमि अयोध्या के महत्त्व को समझ गए। उन्होंने कहा, 'प्रभु! वास्तव में हमारी अयोध्या तीनों लोकों से न्यारी है।'

सामयिक

अनिश्चय के भंवर में युद्धविराम का भविष्य

अवधेश कुमार

कुल 932 घंटे 35 मिनट यानी 40 दिनों के युद्ध में खरबों की क्षति के बाद खाड़ी में अस्थायी दो सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद ईरान ने भी इसे स्वीकार कर लिया तथा इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा है कि वे ट्रंप के कदमों से सहमत हैं। हालांकि यह संघर्ष विराम है संघर्ष की समाप्ति नहीं। ईरान की ओर से कहा गया है कि उसने जो 10 बिंदु दिए अमेरिका उन पर विचार कर रहा है। अमेरिका ने कहा है कि हमने जो 15 शर्तें रखीं उन पर ईरान विचार कर रहा है। यानी दोनों ने शर्तों को स्वीकारने की घोषणा नहीं की है। दूसरे , इजरायल ने ईरान पर हमले रोकने की बात स्वीकारते हुए कहा है कि लेबनान समझौते से बाहर है। ईरान के 10 बिन्दुओं में लेबनान में हिज्बुल्लाह पर हमले रोकने की शर्त भी है। ट्रंप का कथन है कि युद्धविराम के बाद हम दीर्घकालिक शांति तथा पश्चिम एशिया के स्थायी समझौते की ओर बढ़ेंगे। क्या वाकई पश्चिम एशिया की जटिल समस्या का समाधान संभव है?

दुनिया भर में निहित स्वार्थी नैरेटिव चलाने वाले पहले दिन से अमेरिका इजरायल को विश्व खलनायक एवं ईरान को योद्धा तथा निर्दोष पीड़ित साबित करते रहे हैं। सोच यह है कि ट्रंप को झुकना पड़ा एवं ईरान ने अपनी शर्तों पर संघर्ष विराम माना तो साफ है कि ऐसे तत्व शांति नहीं कुछ और चाहते हैं। ट्रंप ने 6 अप्रैल को अपने पोस्ट में ईरान के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट धमकी दी थी कि अगर होर्मूज जलडमरूमध्य नहीं खोला तो एक ही पैकेज में उसके ऊर्जा संस्थान, आधारभूत संरचना, पुल सभी ध्वस्त होंगे। दिख रहा था कि ट्रंप दबाव की तरह भले धमकी का इस्तेमाल कर रहे हैं , वे युद्ध से वापसी भी चाहते थे, लेकिन उनके तेवर इतने कड़े थे और उन्होंने इसके प्रमाण दिए थे तो ईरान का अड़ियल रवैये पर पुनर्विचार करना स्वाभाविक था। ईरान अड़ता तो उसका विनष्ट होना निश्चित था। अगर भयानक रक्तपात व अनवरत युद्ध वाले पश्चिम एशिया समस्या का समाधान हो जाए तो विश्व में शांति स्थापना के ऐसे अध्याय की शुरुआत होगी जिसकी शायद कल्पना भी नहीं की जा सकती। किंतु तह साकार होता नहीं दिखता। इजरायल को लेकर ईरानी इस्लामी शासन की विचारधारा, व्यवहार , लेबानन, गाजा, इराक से यमन तक उसके द्वारा खड़े आतंकवादी समूह की गतिविधियां, आंतरिक राजनीति तथा यहूदी इस्लाम के बीच मजहबी विवाद आदि को आधार बनाएं तो यह लक्ष्य अत्यंत कठिन है।

तत्काल इतना हुआ है कि ईरान ने परिस्थितियां देखकर होर्मूज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को स्वीकृति दी है किंतु यह भी कहा है कि ईरानी सेना के साथ समन्वय और तकनीकी शर्तों के आधार पर होगा। समस्या यही है। उसके सबसे बड़े सहयोगी चीन की समझाइस का तत्काल असर है। उसकी 10 शर्तों में ईरान जलडमरूमध्य के नियमन और नियंत्रण का उसका अधिकार स्वीकार करना, प्रति जहाज 2 करोड़ डॉलर टोल लेना भी शामिल है। हालांकि उसने कहा है कि इसमें ओमान का भी हिस्सा होगा। उसने ईरान पर भविष्य में हमले न करने तथा सुरक्षा की गारंटी, उसके न्यूक्लियर कार्यक्रम को जारी रखने की अनुमति, युद्ध की पूरी क्षतिपूर्ति, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की उपस्थिति की समाप्ति, लेबनान में सारे हमले रोकने आदि उसकी शर्तों ऐसी है जो स्वीकार नहीं हो सकती। उसने नहीं कहा है कि हिजबुल्लाह, हमास या हुती इजरायल पर हमले रोक देंगे। बावजूद रोकने के बाद अमेरिका तुरंत हमला शायद ही करे।

28 फरवरी को आरंभ युद्ध में ईरान को ऐसी अपूरणीय क्षति हुई है जिसकी उसने दु:स्वप्नों में भी कल्पना नहीं की थी। यह इस युद्ध का कटु सच है जिसको नकारने के बाद आप सही निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। युद्ध में 3721 मौतें हुई। इनमें ईरान में सबसे ज्यादा 2076, लेबनान में 1461और अरब देशों में 156 लोग मारे गए। अरब में इराक में 109, कुवैत में 7, बहरीन में 3, सऊदी अरब में 2,संयुक्त अरब अमीरात में 12, सीरिया में 4 और ओमान में 3 मौतें हुई। इसके समानांतर इजराइल में 26 लोग मारे गए तथा 13 अमेरिकी सैनिक भी। एक फ्रांसीसी सैनिक की मृत्यु हो गई। ईरान में कुल 13 हजार स्थानों पर बम गिरे हैं। कल्पना करिए कि कैसा विध्वंस हुआ है। उसकी न्यूक्लियर क्षमता वाले स्थान ध्वस्त किए गए, मिसाइल बनाने के केंद्र काफी हद तक विनष्ट हुए, उसके लिए जो स्टील और अन्य सामग्रियां चाहिए वहां भी विध्वंस हुआ। जिन स्थानों में अंदर प्रवेश करना कठिन था उनके गेट या अन्य दिखने वाले जगहों पर बम गिराकर जितना ध्वस्त किया जा सकता था उतना करके छोड़ दिया गया। आगे के लिए अमेरिका और इजरायल ने काफी विचार कर विनाश के लिए ऐसे स्थान चिन्हित किए थे जिनमें उसके महत्वपूर्ण बिजली केंद्र, पूल, संचार संस्थान, आवश्यक सेवाओं की आपूर्तियों के महत्वपूर्ण केंद्र आदि थे। 28 फरवरी के हमले के बाद ईरान के इतिहास का सबसे बड़ा आघात अयातुल्लाह अलखामेनेई, उनके परिवार व रिश्तेदारों के महत्वपूर्ण सदस्य तथा सत्ता शीर्ष के एक साथ करीब तीन दर्जन लोगों का मार दिया जाना था। अचानक एक रिक्ति आ गई। यह ऐसे ही था जैसे ईरान एक साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके महत्वपूर्ण मंत्रियों तथा इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू सहित प्रमुख मंत्रियों और सैन्य अधिकारियों को मार डाले। बीच में जो भी सामने दिखता सेना प्रमुख, खुफिया प्रमुख ,आईआरजीसी प्रमुख,पुलिस प्रमुख, बासित फोर्स प्रमुख, उनके उप प्रमुख , इनके उत्तराधिकारी सब मारे जा रहे थे। मोजताबा खामेनेई को उत्तराधिकारी घोषित किया गया लेकिन अभी तक वे नहीं दिखे और जैसी सूचना है इतनी बुरी तरह घायल हुए हैं कि उनका उठना कठिन है।

पूरा कमान आईआरजीसी जैसी इस्लामी शक्तियों के हाथ था, जिसनेअपने जवानों के एक इमाम के साथ नमाज पढ़ने का वीडियो जारी किया। जिसका संदेश था कि हम इस्लाम के मुजाहिद हैं, उसके लिए लड़ रहे हैं और हम शहीद होंगे तो मजहब के लिए जिसके लिए हम पैदा हुए हैं। सूत्र नागरिक शासन के हाथों होता तो शायद संघर्ष राम पहले हो जाता। मसूद पेजेश्कियन ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि पर मिसइल हमले के लिए क्षमा मांगी किंतु उसके कुछ ही घंटे बाद फिर हमले हो गए। इससे साफ था कि इस्लामी क्रांति के बाद खामेनेई द्वारा सामान्य सेना, सुरक्षा, प्रशासन राजनीति के समानांतर शीर्ष भूमिका में मजहबी सेना -आंतरिक सुरक्षा , प्रशासन , राजनीतिक व्यवस्थायें खड़ी कीं कमान उनके हाथों में है । यही भविष्य की शांति में सबसे बड़ी समस्या होगी। मजहब आने के बाद किसी भी मुस्लिम देश के साथ युद्ध को निर्णायक अवस्था में पहुंचाना लगभग असंभव हो जाता है।

समस्या का मूल ईरानी इस्लामी शासन द्वारा इजराइल के अस्तित्व को केवल अस्वीकार करना ही नहीं उसे समाप्त करने का राष्ट्रीय लक्ष्य बनाना है। इसके लिए यमन की हुती से लेकर गाजा में हमस, लेबनान में हिजबुल्ला, इराक और अन्य जगह उसने आतंकवादी समूह खड़े किए और उनको सरेआम पूरी मदद देता है। यह संगठन मिसाइल और ड्रोन से हमले करते हैं। ईरान की इस्लामी व्यवस्था इजरायल को ही नहीं, संपूर्ण यहूदी समुदाय को इस्लाम का दुश्मन मानता है और उनकी सीधी घोषणा है कि आप हमारे हो या तुम्हारा पूरी तरह नाश करेंगे। इसमें इजरायल के सामने क्या विकल्प हो सकता है? ईरान पड़ोसी अरब देशों के विरुद्ध भी हमलावर रहता है। युद्ध के दौरान उसने इजराइल से ज्यादा संयुक्त अरब अमीरात पर ड्रोन हमले किए। अगर अमेरिका अकेले एकपक्षीय तरीके से ईरान से कोई समझौता करता है तो अरब देशों के सामने समस्या पैदा होगी।

वे ईरानी सैन्य शक्ति के भय वाली स्थिति में रहना नहीं चाहते। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात,बहरीन ओमान, कुवैत , कतर सभी चाहते थे कि अमेरिका वहां लंबा युद्ध करे और ईरान को सैन्य और आर्थिक दृष्टि से पंगु बनाकर समझौता करने के लिए मजबूर कर दे।अगर ईरान के स्थायी रुप से मजबूर होने की संभावना नहीं बनी तो ये देश भी अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने जिसमें मिसाइल से लेकर न्यूक्लियर शक्ति बनने का लक्ष्य शामिल होगा, दिशा में तेजी से अवसर होंगे। अरब के अनेक देशों ने इजरायल के अस्तित्व को घोषित या अघोषित स्वीकार कर लिया है। ईरान और उसके पोषित हथियारबंद समूह ऐसा कभी नहीं कर सकते। पर हमले के कुछ समय पूर्व तक पूरे ईरान में हजारों लोग इस्लामी शासन के विरुद्ध सड़कों पर थे। उनको बेरहमी से कुचला गया, फांसी दी गई। मुद्रास्फीति 120 प्रतिात से ऊपर चली गई थी। रियाल की कीमत डेढ़ लाख डॉलर तक थी। आज रियाल 0.000070 भारतीय रुपये के बराबर है। देश में त्राहि-त्राहि थी। कुर्द, अज़रबैजानी, बलोच, अरबी आदि का विद्रोह अपनी जगह है। ईरान के कुह-ए-सियाह क्षेत्र में फंसे दो पायलटो को अमेरिका द्वारा छुड़ाने के बाद वहां के लोगों के विरुद्ध आईआरजीसी व पुलिस बलों की कार्रवाई जारी है। इस क्षेत्र के लोग इस्लामी गणराज्य के विरुद्ध आवाज उठाते रहे हैं। तो ईरान के अंदर आने वाले समय में बड़ा उबाल भी देखने को मिलेगा। मोजताबा खामेनेई सत्ता संभालने लायक नहीं हुए तो शीर्ष स्तर पर भी व्यापक सत्ता संघर्ष देखने को मिलेगा। इसमें संघर्ष विराम का भविष्य बिल्कुल अनिश्चित है।

नजरिया

रिकॉर्ड मतदान, बदलता भारत

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है।

कभी-कभी इतिहास शोर से नहीं, कतारों में खड़ी खामोश भीड़ के संकल्प से लिखा जाता है। 9 अप्रैल 2026 ऐसा ही दिन था। असम, केरल और पुडुचेरी में भोर से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कहीं भीगे हाथों में छाते थे, कहीं तपती सुबह से पहले ही चेहरों पर जिद चमक रही थी। कोई कांपते कदमों और झुकी कमर के साथ पहुंचा था, तो कोई पहली बार वोट देने का उत्साह आंखों में लिए खड़ा था। चेहरे अलग थे, भाषाएं अलग थीं, परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन सबको एक ही विश्वास जोड़ रहा था-लोकतंत्र को और मजबूत करने का विश्वास। शाम तक आंकड़ों ने बता दिया कि जनता ने केवल मतदान नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति से एक घंटे पहले (शाम 5 बजे तक) के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नई ताकत का ऐलान करने वाले हैं-असम में 84.42 प्रतिशत, केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान। ये केवल संख्या नहीं, बल्कि उस जागते भारत की तस्वीर हैं, जो अब राजनीति को दूर से देखना नहीं, उसे अपनी मुट्ठी में लेना चाहता है। लगभग 5.3 करोड़ मतदाताओं की इस भागीदारी ने साफ कर दिया कि जनता अब भाषणों और नारों के पीछे चलने वाली भीड़ नहीं रही। वह सवाल करती है, जवाब मांगती है और अपने वोट से बता रही है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक है। यही वजह है कि ये चुनाव केवल तीन राज्यों की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा बन गए हैं।

असम में इस बार का चुनाव कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। 126 सीटों वाले राज्य में 84.42 प्रतिशत मतदान ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 के परिसीमन के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह पहला चुनाव था, इसलिए लोगों की भागीदारी भी बढ़ी। भाजपा-एनडीए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने में जुटा है, जबकि कांग्रेस और अन्य दल वापसी की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि मतदाता दलों से अधिक अपने मुद्दों पर केंद्रित दिखा। भूमि अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, सीमा सुरक्षा, बेरोजगारी और विकास जैसे सवाल लोगों को बूथ तक ले आए। डलगांव जैसे क्षेत्रों में 94 प्रतिशत से अधिक मतदान ने बता दिया कि असम अब केवल सरकार नहीं, अपना भविष्य चुन रहा है।

असम की जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, बल्कि अपनी राजनीतिक चेतना भी दिखा दी। पहचान, घुसपैठ, सीमाई तनाव और अवसरों की कमी से लंबे समय तक जूझते रहे इस राज्य ने साफ कर दिया कि अब उसे केवल वादे नहीं, ठोस जवाब चाहिए। गांवों, पहाड़ी इलाकों और सीमा से लगे क्षेत्रों में जिस तरह महिलाएं, बुजुर्ग और युवा मतदान के लिए निकले, उसने साबित कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत शहरों तक सीमित नहीं है। असम ने यह भी दिखाया कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय राजनीति का किनारा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली मजबूत आवाज बन चुका है। वहां की जनता ने बता दिया कि लोकतंत्र सबसे मजबूत तब होता है, जब सबसे दूर बैठा नागरिक भी अपने वोट की कीमत समझने लगे।

केरल में तस्वीर अलग थी, लेकिन संदेश उतना ही मजबूत। 140 सीटों पर हुए चुनाव में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह आंकड़ा असम और पुडुचेरी से कम जरूर है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक केरल में यह भागीदारी अपने आप में असाधारण है। एलडीएफ, यूडीएफ और भाजपा गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया। पलक्कड़, कोझीकोड और कई जिलों में 80 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, पर्यावरण और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी राय दी। यहां मतदाता केवल दल नहीं देखता, बल्कि उनके काम, नीतियों और भविष्य की दिशा को भी परखता है।

केरल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वहां लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कृति बन चुका है। बारिश के बावजूद बूथों पर लगी लंबी कतारों ने बता दिया कि यहां का नागरिक मतदान को अधिकार से अधिक कर्तव्य मानता है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदान के लिए पहुंचे। युवाओं ने बेरोजगारी, तकनीकी शिक्षा और बेहतर अवसरों के सवाल उठाए, जबकि महिलाओं ने स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी। केरल के मतदाता ने साफ कर दिया कि अब राजनीति केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहेगी। जनता का विश्वास उसी दल को मिलेगा, जो उसकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

इन चुनावों में अगर किसी ने पूरे देश को सबसे ज्यादा चौंकाया, तो वह पुडुचेरी था। केवल 9.5 लाख मतदाताओं वाले इस छोटे केंद्र शासित प्रदेश में 86.92 प्रतिशत मतदान ने लोकतंत्र की नई मिसाल कायम कर दी। 30 सीटों वाले पुडुचेरी में एनडीए, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन और अन्य दलों के बीच मुकाबला था, लेकिन सबसे बड़ी जीत जनता की भागीदारी की रही। कराईकल, पुडुचेरी और आसपास के इलाकों में सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर भीड़ उमड़ी रही। स्थानीय रोजगार, पर्यटन, बुनियादी सुविधाएं, विकास और स्वायत्तता जैसे मुद्दों ने लोगों को बूथ तक पहुंचाया। इस छोटे प्रदेश ने पूरे देश को बता दिया कि लोकतंत्र की ताकत आबादी से नहीं, नागरिकों की जागरूकता से तय होती है।

असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है। 4 मई को नतीजे आएंगे, सरकारें बनेंगी और समीकरण बदलेंगे, लेकिन इन चुनावों की सबसे बड़ी जीत पहले ही सामने आ चुकी है। वह जीत है जनता का यह विश्वास कि उसकी उंगली पर लगी स्याही केवल निशान नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

‘टटीरी’ विवाद के बाद बादशाह ने गाने को नए अंदाज में रिलीज करने की घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी सिंगर और रैपर बादशाह का विवादित सॉन्ग 'टटीरी' को अश्लील लिरिक्स की वजह से सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। सिंगर ने गलती को मानते हुए माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब सिंगर इसी गाने के साथ दोबारा दर्शकों के दिलों में हरियाणा की लोकल और लोक संगीत की झलक दिखाने के लिए तैयार हैं। बादशाह ने बदलावों के साथ 'टटीरी' गाने को दोबारा रिलीज करने की घोषणा की है और नए टाइटल की घोषणा भी की है। सिंगर बादशाह ने सोशल मीडिया के जरिए 'टटीरी' को 'टटीरी फिर से' के रूप में रिलीज करने की घोषणा की है। सिंगर ने गाने के साथ सभी की भावनाओं का सम्मान करने की भी बात कही है और सभी को भरोसा दिलाया है कि जिन कारणों से हरियाणा और देश की भावनाओं को ठेस पहुंची थी, वो दोबारा नहीं होगा। गाना 14 अप्रैल को दोबारा यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक शेयर करते हुए लिखा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने अपने गीत 'टटीरी' को लेकर सरकारी अधिकारियों, महिला आयोग, समाजसेवियों और हमारी संस्कृति की परवाह करने वाले कई लोगों की बातों को सुना है। उसी के आधार पर हमने गाने में जरूरी बदलाव किए हैं और जो भी हिस्सा अपमानजनक माना गया, उसे हटा दिया है। मैं इस प्रतिक्रिया और उसके पीछे की भावना का सम्मान करता हूं। एक कलाकार होने के साथ-साथ, अपनी समाज और संस्कृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम है।

उन्होंने लिखा, टटीरी फिर से उसी सफर का अगला कदम है। आपका साथ, आपकी आवाज और आपका विश्वास ही है, जिसने इस गाने को जिंदा रखा है। उम्मीद है इसका नया रूप वही ऊर्जा और वही सम्मान लेकर चलेगा। गाना 14 अप्रैल को आधिकारिक तरीके से रिलीज किया जाएगा। ऐसा लग रहा है कि गाने में बदलाव के साथ सिंगर ने गाने के टाइटल में भी बदलाव करना सही समझा है।

अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े सलमान खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की हर पोस्ट चर्चा का विषय बन जाती है। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया। इस तस्वीर में वह जाने-माने उद्योगपति परिवार के सदस्य अनंत अंबानी के साथ एक बेहद मजेदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। सलमान खान द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में वह अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं और दोनों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही है। फोटो में उनके बीच की दोस्ती साफ झलक रही है। सलमान खान ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ''यह बात सुनो, अगर याददाश्त कमजोर हो तो लिख लो, यह आदमी देश को भी उठाएगा।'' पोस्ट में सलमान खान ने आगे अनंत को अपना छोटा भाई बताया और उनके लंबे जीवन की कामना की। उन्होंने लिखा, ''मेरे छोटे भाई अनंत अमर रहे। वह दिल और दिमाग दोनों से बहुत मजबूत इंसान हैं और एक बेहद सच्चे स्वभाव वाला व्यक्ति हैं।''

इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं भी काफी दिलचस्प रही। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान और अनंत... दोनों की बॉन्डिंग कमाल की लग रही है।''दूसरे यूजर ने लिखा, 'सलमान सर, आपने जो भरोसा अनंत अंबानी पर दिखाया है, वो आपके भाईचारे को बयां करता है।'अन्य यूजर्स ने लिखा, 'भाईजान, आप हमेशा दिल जीत लेते हो', 'सल्लू भाई का स्वैग अलग ही लेवल का है', 'कितने क्यूट लग रहे हो आप दोनों, सच में, बहुत फनी मोमेंट है।'बता दें कि सलमान खान ने अनंत के जन्मदिन के मौके पर एक इंस्टा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने अनंत के साथ दो तस्वीरें साझा की, जिसमें पहले मुस्कुराते हुए, गले मिलते हुए और मस्ती करते दिखे। इस पोस्ट के साथ सलमान खान ने लिखा, ''सबसे निस्वार्थ, सबसे दयालु इंसान और कई लोगों के लिए प्रेरणा, मेरे छोटे भाई अनंत को जन्मदिन की बधाई।''

मानव शरीर ‘परफेक्ट डिजाइन’ नहीं है, बल्कि विकास के लंबे दौर का परिणाम है : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिस्टल (ब्रिटेन)।मानव शरीर को अक्सर बेहतरीन डिजाइन का अद्भुत उदाहरण बताया जाता है जो सुंदर, कुशल और अपने उद्देश्य के लिए पूरी तरह अनुकूल है। लेकिन करीब से देखने पर एक अलग तस्वीर सामने आती है।

वास्तव में, यह एक त्रुटिरहित मशीन नहीं, बल्कि लाखों वर्षों में विकास के दौरान हुए बदलावों का परिणाम है। विकास में नई संरचनाएं शून्य से नहीं बनतीं, बल्कि पहले से मौजूद संरचनाओं में जरूरत के अनुसार, सुधार करता है।

इसके परिणामस्वरूप मानव शरीर की कई विशेषताएं पर्याप्त रूप से ठीक समाधान हैं। वे कार्यात्मक तो हैं, लेकिन पूर्ण नहीं हैं। कई बीमारियां और शारीरिक समस्याएं इन्हीं सीमाओं से उत्पन्न होती हैं।

रीढ़ की हड्डी

मानव शरीर में रीढ़ अर्थात स्पाइन इस तर्क का सबसे अच्छा उदाहरण है। हमारी कशेरुक स्तंभ यानी वर्टिब्रल कॉलम का विकास चार पैरों वाले, पेड़ों पर रहने वाले पूर्वजों से हुआ, जहां इसका मुख्य कार्य लचीलेपन के साथ शाखाओं के बीच चलना और स्पाइनल कॉर्ड की रक्षा करना था। जब मनुष्य सीधा चलने लगा, तो रीढ़ को शरीर का वजन संभालने और संतुलन बनाए रखने की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिली तथा उस पर दबाव बढ़ा।

रीढ़ का लचीलापन वजन को संतुलित करने में मदद करता है, लेकिन इससे कमर दर्द, डिस्क खिसकने और अन्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ता है। ये समस्याएं इसलिए आम हैं क्योंकि रीढ़ वह काम कर रही है, जिसके लिए वह मूल रूप से विकसित नहीं हुई थी।

गर्दन

गर्दन में मौजूद 'रिकरेंट लेरिंजियल नर्व' भी एक असामान्य संरचना का उदाहरण है। यह नस वेगस नर्व की शाखा है तथा हृदय की गति और आराम और पाचन के दौरान धड़कन तथा श्वांस को नियंत्रित करती है। यह बोलने व निगलने में भी मदद करती है।

सीधे रास्ते से मस्तिष्क से गले तक जाने के बजाय यह नस पहले छाती में नीचे जाती है, एक प्रमुख धमनी के चारों ओर घूमती है और फिर वापस गले तक आती है।

यह जटिल मार्ग किसी बुद्धिमान डिजाइन का परिणाम नहीं, बल्कि मछली जैसे पूर्वजों से विरासत में मिला है। समय के साथ गर्दन लंबी हुई, लेकिन नस का रास्ता नहीं बदला। इससे सर्जरी के दौरान चोट का जोखिम बढ़ जाता है।

आंखें

मानव आंखें भी विकासवादी समझौते को दर्शाती हैं। आंख के पीछे स्थित रेटिना है, और प्रकाश को फोटोरिसेप्टर तक पहुंचने से पहले तंत्रिका परतों से गुजरना पड़ता है। ऑप्टिक नर्व रेटिना के पीछे से बाहर निकलती है, जिससे दृष्टि क्षेत्र में एक 'ब्लाइंड स्पॉट' बनता है, जहां हम देख नहीं सकते। हालांकि मस्तिष्क इस कमी को भर देता है, इसलिए हमें इसका एहसास नहीं होता। इस प्रकार, उत्कृष्ट दृष्टि के बावजूद हमारी दृश्य प्रणाली में यह खामी मौजूद है।

दांत

मानव दांत भी बताते हैं कि विकास टिकाऊपन से अधिक कार्यक्षमता को प्राथमिकता देता है। मनुष्यों में केवल दो बार दांत आते हैं दूध के और स्थायी। एक बार स्थायी दांत टूटने या गिरने के बाद वे दोबारा नहीं आते, जबकि शार्क जैसे जीवों में दांत लगातार बनते रहते हैं।

एक्सीडेंट के बाद अस्पताल से सीधे सेट पर पहुंची थीं अनु अग्रवाल

मुंबई/एजेन्सी

'आशिकी' फेम अभिनेत्री अनु अग्रवाल हमेशा से मानती हैं कि उनके साथ हुआ हादसा कोई जख्म नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। इसी कड़ी में अभिनेत्री अक्सर अपनी जिंदगी के ब्लैक चैप्टर से कुछ न कुछ सकारात्मक संदेश प्रशंसकों से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अनु ने अपनी एक पुरानी फिल्म के सेट से ली गई तस्वीरों को इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अपने भीषण कार हादसे के बाद की एक घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें गलत नस में इंजेक्शन लग गया, जिससे वे फिर से बेहोश हो गईं। उस एक्सीडेंट के बाद अस्पताल से निकलते ही वह फिल्म के सेट पर वापस पहुंच गई थीं। अनु अग्रवाल ने लिखा, लेकिन, मैं मरी नहीं। मैं अस्पताल में थी। और वहां एक गलत इंजेक्शन मेरी नस में लग गया। मैं चीखी और फिर से बेहोश हो गई। अगले दिन मैं सेट पर वापस पहुंच गई। मेरा पैर घायल था और उस पर पट्टी बंधी हुई थी।

उन्होंने बताया, फिल्म के कॉस्ट्यूम में पैर वाली तरफ एक स्लिट था, जिसे ड्रेस डिजाइनर ने उल्टा कर दिया और सिल दिया। इसके बाद मैं घायल पैर के साथ शूटिंग में शामिल हो सकी। उस सीन में सैकड़ों डांसर थे और महल का भव्य सेट तैयार किया गया था। कई दिनों की मेहनत का प्रोडक्शन था।अनु ने लिखा कि उन्हें पता था कि प्रोड्यूसर का पैसा, पूरे क्रू का समय और बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ था। उन्होंने कहा, मैं अपनी वजह से किसी का नुकसान नहीं होने दे सकती थी, इसलिए मैं दर्द सहते हुए भी शूटिंग पूरी करने के लिए सेट पर डटी रही।साल 1999 में हुए भीषण कार एक्सीडेंट के बाद अभिनेत्री अनु अग्रवाल की जिंदगी भी हमेशा के लिए बदल गई। हालांकि, 'आशिकी गर्ल' इसे जख्म नहीं, जिंदगी की नई शुरुआत मानती हैं।'आशिकी' से रातों-रात स्टार बनी अनु उस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। डॉक्टरों ने भी उनकी रिकवरी के लिए दिन-रात मेहनत की, लेकिन अनु ने हार नहीं मानी। उन्होंने योग, मेडिटेशन और आध्यात्मिकता को अपनाया। वह मानती हैं कि योग ने उन्हें न सिर्फ शारीरिक रूप से ठीक किया, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक मजबूती भी दी।

इस हादसे को लेकर वह सोशल मीडिया पर अक्सर सकारात्मक पोस्ट करती हैं। पूरी तरह से ठीक होने के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली और योगा टीचर बनने का फैसला लिया। अनु अग्रवाल ने खुद की आत्मकथा 'अनयूजवल: मेमॉर ऑफ ए गर्ल हू केम बैक फ्रॉम डेड' भी लिखी है।

जलवा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को आयोजित एक फैशन शो के दौरान रैंप पर अपना जलवा बिखेरती एक छात्रा।

बौछार

अयुध्या (थाईलैंड) में शुक्रवार को आगामी सोंगक्रान उत्सव (थाई नव वर्ष) के उपलक्ष्य में शुक्रवार को हाथियों के साथ पानी की बौछारों का आनंद लेते लोग।

माफीनामे के शब्दों में बदलाव के लिए रणवीर सिंह तैयार, देवी की नकल उतारने के मामले में कोर्ट को दिया स्पष्टीकरण

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणवीर सिंह, अपनी फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' के अलावा, एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' के एक सीन की नकल करने को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोल होने के बाद अभिनेता ने माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब अभिनेता ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय को बताया कि वह फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' के एक किरदार की नकल करने से जुड़े मामले में शिकायतकर्ता के साथ मिलकर अपने माफीनामे के शब्दों में बदलाव करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, शिकायतकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि अभिनेता के माफीनामे में वास्तविकता और पश्चाताप नहीं दिखता है। वकील ने बताया कि हलफनामे में इरादे को ठीक से व्यक्त नहीं किया गया है। उन्होंने अधिक विशिष्ट और स्पष्ट माफी की मांग की।

कोर्ट फिलहाल रणवीर सिंह पर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें अभिनेता पर पिछले साल गोवा में आयोजित 56वें ङ्खङ्खअंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा था। कार्यक्रम के दौरान, रणवीर सिंह ने कथित तौर पर फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में अभिनेता ऋषभ शेट्टी द्वारा निभाए गए किरदार की नकल की और कथित तौर पर एक देवी को 'महिला भूत' कहा था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

इससे पहले रणवीर सिंह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना को सूचित किया था कि माफीनामा पहले ही दाखिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने हलफनामे में यह भी कहा है कि वह संबंधित मंदिर में जाकर प्रार्थना करेंगे। हालांकि, शिकायतकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि हलफनामे में स्पष्टता की कमी है और उसमें पश्चाताप का पर्याप्त रूप से इजहार नहीं किया गया है। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद, अदालत ने मामले को 23 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप एक संशोधित हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखित तौर पर भी माफी मांगी थी और घटना के लिए खेद भी व्यक्त किया था। हालांकि विवाद के बढ़ने के बाद एक वकील द्वारा दायर शिकायत के आधार पर अभिनेता के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

‘है जवानी तो इश्क होना है’ से सामने आई वरुण-मृणाल की झलक

मुंबई/एजेन्सी

वरुण धवन और मृणाल ठाकुर अपनी अपकमिंग रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ की नई झलक को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा में हैं। पूजा हेगड़े के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने के एक दिन बाद मेकर्स ने अब वरुण और मृणाल की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों की बॉन्डिंग काफी पसंद की जा रही है। मेकर्स के अलावा दोनों एक्टर्स ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर को गले लगाते और रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। दोनों की इस जोड़ी में जबरदस्त केमिस्ट्री दिख रही है। वरुण और मृणाल ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा ,लेकिन जवानी में इश्क बार-बार होता है। दोनों की साथ वाली तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, मृणाल और वरुण को देखने का अब और इंतजार नहीं कर सकता। जबकि दूसरे ने कहा, इनकी केमेस्ट्री तो कमाल की है। वहीं, तीसरे यूजर ने लिखा, इस नई

जोड़ी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

फिल्म की कहानी जवानी, प्यार और उसकी मस्ती पर आधारित है, जिसमें हल्का-फुल्का मनोरंजन और रोमांस का पूरा मिश्रण दिखने की उम्मीद है। फिल्म हंसी-मजाक और रोमांस से भरपूर होने वाली है।

फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ का निर्देशन डायरेक्टर डेविड धवन कर रहे हैं। इसमें वरुण धवन के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी और अली असगर जैसे कलाकार भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

अंजना सिंह के लिए दोस्त ही हैं परिवार

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना सिंह जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'लेडी बॉक्सर' में बॉक्सिंग रिंग में नजर आएंगी। इस फिल्म में अंजना सिंह एक मजबूत और बहादुर महिला बॉक्सर के किरदार में दिखेंगी। गुरुवार को अंजना ने फिल्म की शूटिंग का बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अंजना अपनी पूरी टीम के साथ बहुत मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। पारंपरिक साड़ी लुक में अंजना हाथों में बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए हैं। टीम के बाकी सदस्य भी उनके साथ मजे में ग्लव्स पहने हुए हैं और एक-दूसरे के साथ हल्की-फुल्की बॉक्सिंग कर रहे हैं। अंजना ने टीम को अपना परिवार बताते हुए लिखा, प्यार, हंसी, वफादारी, बस यही सब हमें चाहिए। दोस्त ही परिवार जैसे होते हैं। अभिनेत्री भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान रखती हैं। उन्होंने अब तक कई हिट फिल्मों में काम किया है। आमतौर पर अभिनेत्री पारिवारिक ड्रामा फिल्मों में बहू के रोल में देखने को मिलती हैं लेकिन इस फिल्म में उनका लुक थोड़ा सा अलग देखने को मिलेगा। फिल्म 'लेडी बॉक्सर' में वे मुक्के बरसाती नजर आएंगी। यह

फिल्म एक्शन और इमोशन से भरी होने वाली है। संतोष जोशी द्वारा निर्देशित फिल्म का लेखन सत्येंद्र सिंह ने किया है जबकि रवि तिवारी फिल्म के मुख्य सहायक निदेशक हैं। संदीप सिंह और अथर्व सिंह फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में अंजना सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। भोजपुरी सिनेमा इन दिनों नई कहानियों और सशक्त महिला किरदारों की ओर बढ़ रहा है। 'लेडी बॉक्सर' इसी दिशा में एक अच्छा कदम है। इसकी शूटिंग आजमगढ़ में हो रही थी।अभिनेत्री की कुछ फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, तो कुछ रिलीज के लिए बाकी है। अभी हाल ही में अंजना पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'किसान बहुरिया' में नजर आई थीं। ये फिल्म टेलीविजन और यूट्यूब दोनों पर प्रसारित हुई थी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। किसान बहुरिया एक ऐसी महिला पर केंद्रित है जो पति की मानसिक हालत खराब होने और घर की स्थिति को ठीक करने के लिए खेती करती है।

परिवार के चक्कर में महिलाएं भूल जाती हैं खुद का ख्याल : ममता कुलकर्णी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय परिवारों में महिलाएं अक्सर अपने परिवार की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद की देखभाल पीछे छूट जाती है। इसी मुद्दे को लेकर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने एक वीडियो के जरिए बताया कि भारतीय समाज में हेल्थ को लेकर सोच में बदलाव की जरूरत है। ममता कुलकर्णी ने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि भारतीय महिलाएं अपनी पूरी जिंदगी पति और बच्चों की देखभाल में लगा देती हैं। वे घर और परिवार को प्राथमिकता देती हैं लेकिन अपनी सेहत पर ध्यान नहीं देतीं। मेरा मानना है कि यह सोच गलत है, क्योंकि अगर महिला खुद स्वस्थ नहीं होगी, तो वह अपने परिवार का सही तरीके से ख्याल भी नहीं रख पाएगी।'' उन्होंने कहा, ''यह समस्या सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है। कई पुरुष और बच्चे भी सेहत को लेकर गंभीर नहीं होते। लोग जिम या हेल्थ क्लब तक तो पहुंच जाते हैं, लेकिन वहां जाकर मेहनत करने के बजाय समय बिताते हैं। इस आदत को बदलने की जरूरत है, ताकि

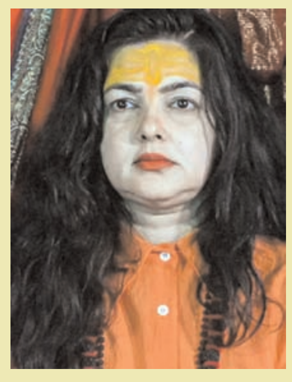

लोग सच में फिट रह सकें।''

विदेशों का उदाहरण देते हुए ममता कुलकर्णी ने कहा, ''वहां छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी अपनी फिटनेस को लेकर सजग रहते हैं। लोग नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं, आउटडोर एक्टिविटीज में हिस्सा लेते हैं और अपने शरीर को सक्रिय रखते हैं। यही कारण है कि वे लंबे समय तक फिट और एक्टिव रहते हैं।'' उन्होंने विटामिन डी की अहमियत पर भी जोर दिया। ममता ने कहा, ''धूप में समय बिताना शरीर के लिए बेहद जरूरी है। अक्सर लोग विदेशियों के पहनावे का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन यह नहीं समझते कि वे धूप से जरूरी पोषण ले रहे होते हैं, जो उनके शरीर के विकास और फिटनेस के लिए जरूरी है।'' ममता कुलकर्णी ने अपनी दिनचर्या साझा करते हुए बताया, मैं हफ्ते में एक या दो बार समुद्र के किनारे जरूर जाती हूं। वहां नंगे पैर रेत पर चलती हूं, यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। रेत में मौजूद नमक शरीर की अशुद्धियों को बाहर निकालने में मदद करता है। उन्होंने कहा, ''जब मैं समुद्र किनारे नहीं जा पाती, तो मैं हेल्थ क्लब में समय बिताती हूं। वहां स्विमिंग करती हूं, धूप लेती हूं और अपने शरीर को एक्टिव रखती हूं। कई बार दो से तीन घंटे तक धूप में समय बिताती हूं।''

नवकार महामंत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिवकाशी में 9 अप्रैल को विश्व नवकार महामंत्र दिवस के पावन अवसर पर शिवकाशी में सकल जैन एवं जैनेतर समाज की गरिमामय उपस्थिति में मेहता स्कूल के प्रांगण में नमस्कार महामंत्र के सामूहिक जाप का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित भाई-बहनों ने सामायिक कर आध्यात्मिक साधना में भाग लिया। महिला मंडल की मंत्री कुसुम बैद ने बताया कि कार्यक्रम में मेहता स्कूल के संचालक अनिल मेहता एवं कमला मेहता की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै। यहां तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के तहत द्रमुक सरकार के मंत्री व प्रत्याशी पी.टी. आर. पलनीवेल त्यागराजन ने जनसंपर्क अभियान के तहत नूतन धर्मशाला भवन में श्री साँचा सुमतिनाथ जैन संघ एवं प्रवासी राजस्थानी समाज के विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भेंट कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज ने मनाया अपना वार्षिक दिवस

खेल प्रतियोगिता और आशीर्वाद समारोह का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री चंद्रप्रभु जैन कॉलेज, मिंजुर ने अपने 21वें वार्षिक दिवस, 25वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता और 6वां आशीर्वाद दिवस का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पैरा रोड़ साइकिलिंग चैम्पयिन प्रदीप, कॉलेज सचिव ललित कुमार ओ जैन, संयुक्त सचिव सुरेश राठौड़, प्रबंधन सदस्य हितेन्द्र मुनोथ, प्रभारी प्राचार्य डॉ. एन सुजाता ने की। साथ ही, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने इस अवसर को संस्थान के शैक्षणिक कैलेंडर का एक यादगार पल बना दिया।

वार्षिक उत्सव के दौरान ई-न्यूज़लेटर (2024-2025) को औपचारिक रूप से जारी किया गया, जिसमें संस्थान की शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम उपलब्धियों को रेखांकित किया गया था। एक ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुति के माध्यम से मुख्य अतिथि प्रदीप का परिचय कराया गया, जिनकी उपस्थिति ने उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। अध्यक्षीय भाषण सचिव ललित कुमार ओ. जैन ने दिया, जिसमें उन्होंने संस्थान के दृष्टिकोण और उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों ने तमिल, अंग्रेज़ी और हिंदी भाषाओं में अपने विचार साझा किए, जो भाषाई विविधता और समावेशिता को प्रदर्शित करता था। मुख्य अतिथि का औपचारिक परिचय रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. जी.पी. भवानी ने कराया, जिसके बाद सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम पुरस्कारों और इनामों के वितरण के साथ आगे बढ़ा। इस दिन 'छठा आशीर्वाद दिवस' भी मनाया गया, जो अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को समर्पित था। विदा होने वाले विद्यार्थी अपने प्रोफेसरों से हार्दिक आशीर्वाद और शुभकामनाएँ प्राप्त करने के लिए एकत्रित हुए। वार्षिक खेल प्रतियोगिता की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स द्वारा दिए गए एक अनुशासित 'गार्ड ऑफ़ ऑनर' के साथ हुई। छात्र कैप्टन्स और वाइस कैप्टन्स द्वारा ओलंपिक मशाल प्रज्वलित किए जाने के साथ ही खेल भावना का संचार हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

गणगौर की चेयरपर्सन बनी कंचन बिसानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान एसोसिएशन तमिलनाहु (रजत) महिला शाखा के तत्वावधान में रजत की लेडीज़ विंग गणगौर की नई टीम एसआरकेके अग्रवाल भवन, अन्ना नगर में स्थापित हुई।

कार्यक्रम में रजत से आए विजय गोयल, अशोक मूंदड़ा, सुरेश संचेती, अजय नाहर, विवेक बॉम्ब, मुख्य अतिथि एमओपी कॉलेज की प्रिंसिपल अर्चना प्रसाद, सम्मानीय अतिथि आर्टिस्ट शीतल धीरन एवं चार्टर अध्यक्ष उर्मिला श्रॉफ, पूर्व अध्यक्ष ममता अग्रवाल एवं कंचन बिसानी उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि ने नारी शक्ति को जागरूक हो कर अपनी क्षमताओं को पूर्ण रूप से उजागर करने का आह्वान किया। निवर्तमान चेयरपर्सन ममता अग्रवाल ने कंचन बिसानी को कार्यभार सौंपा। इसके पूर्व ममता अग्रवाल ने वर्ष 2025-26 की रिपोर्ट पढ़ी एवं वर्ष भर के कार्यक्रमों का विवरण वीडियो एलईडी के माध्यम से प्रस्तुत किया। तत्पश्चात 'राजतिलक' थीम पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें पूर्व अध्यक्षों, कार्यकारिणी सदस्यों और गणगौर की अन्य सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चार्टर प्रेसिडेंट उर्मिला श्रॉफ ने कंचन बिसानी का तिलक किया एवं ममता अग्रवाल ने अपना मेडलियन कंचन बिसानी को पहनाया। कंचन बिसानी ने उप चेयरपर्सन प्रगति जैन को मेडलियन पहनाकर सम्मानित किया। प्रगति जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन रितु पिटी और ज्योति गुप्ता ने किया।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा वर्षीतप तपस्वियों को किया सम्मानित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा गुरुवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में वर्षीतप करने वाले तपस्वियों का सम्मान किया गया।अध्यक्ष महिमा पटावरी ने तपस्वियों एवं सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए सभी दस तपस्वियों का अभिनंदन किया। मंत्री सरिता छाजेड़ एवं सह मंत्री हंसा दुगड़ ने तपस्वियों का परिचय दिया। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने विचार व्यक्त किए तथा बेबी रियांशी ने कविता की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका अंजू सेठिया तथा आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने किया।

प्रभु अच्छे हैं, पर क्या वे हमारे अपने हैं? : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट, चेन्नई के तत्वावधान में आराधना भवन में शुक्रवार से प्रारंभ हुई त्रिदिवसीय प्रवचन श्रेणी के प्रथम दिवस पर कर ले प्रभु से प्रीत विषय पर आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने अत्यंत प्रभावशाली, प्रेरणादायक एवं जीवनोपयोगी प्रवचन प्रदान किया। उनके ओजस्वी वचनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन और आत्मजागृति की दिशा में प्रेरित किया।

आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में जीवन के संबंधों की गहराई को उद्घाटित करते हुए बताया कि प्रत्येक संबंध तीन आधारों पर निर्मित होता है- आवश्यक, आकर्षक और आत्मीय। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभु हमारे जीवन में केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि आकर्षण और आत्मीयता के केंद्र भी हैं। जब तक इन तीनों भावों का समन्वय नहीं होता, तब तक सच्ची प्रभु प्रीत का उदय संभव नहीं है। उन्होंने महाभारत के प्रसंग का सजीव उदाहरण देते हुए कहा कि दुर्योधन के लिए श्रीकृष्ण केवल आवश्यकता थे, युद्ध विजय के साधन थे जबकि अर्जुन के लिए श्रीकृष्ण आत्मीय थे, हृदय से जुड़े, सच्चे मार्गदर्शक थे। यही अंतर जीवन की दिशा और दशा को निर्धारित करता है।

धर्मसभा को आत्ममंथन हेतु प्रेरित करते हुए आचार्य भगवंत ने अत्यंत मार्मिक प्रश्न रखा- प्रभु हमें अच्छे तो लगते हैं, पर क्या वे हमें अपने लगते हैं? उन्होंने कहा कि प्रभु अनंत गुणों के स्वामी, राग-द्वेष और मोह से रहित, शुद्ध और पूर्ण हैं। किंतु जब तक हमारे हृदय में उनके प्रति सच्चा अपनत्व नहीं जागेगा, तब तक 'प्रभु से प्रीत' संभव नहीं्। जीवन की वास्तविकता को सहज उदाहरण से स्पष्ट करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि हम जिस धन से प्रेम करते हैं, वह धन हमें कभी प्रेम नहीं करता। यदि जेब से पैसा गिर जाए तो हमें पीड़ा होती है, परंतु पैसे को कोई अनुभूति नहीं होती। वह यह जाहिर नहीं करता है कि मैं मेरे मालिक से बिछुड़ गया। इसके विपरीत, प्रभु तो हमारे प्रति अनंत प्रेम रखते हैं, किंतु हम उनके प्रति उदासीन बने रहते हैं, यही जीवन की सबसे बड़ी विडंबना और करुणता है। आचार्यश्री ने कहा कि यदि जीवन को सार्थक, शांत और आनंदमय बनाना है, तो हमें प्रभु को केवल अच्छा' मानने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अपना' बनाने का भाव विकसित करना होगा।

शांति के लिए शाकाहार की प्रतिष्ठा जरूरी : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, केरल इकाई-प्रथम, कोच्चि संभाग द्वारा 10 अप्रैल शाम काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। नरेश नाज की उपस्थिति में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में तमिलनाडु हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष कवि डॉ. दिलीप धींग ने बतौर विशिष्ट अतिथि कहा कि विश्वशांति के लिए शाकाहार की प्रतिष्ठा आवश्यक है। अपनी कविता के जरिए डॉ. धींग ने कहा, हो मानव अथवा पशु-पक्षी, सबको जीने का अधिकार, युद्ध कलह आतंक थमेंगे, जब आएगा शाकाहार्। अकादमी अध्यक्ष ए. भवानी ने डॉ. धींग का स्वागत किया। मुख्य अतिथि बिनीत मलिक ने डॉ. धींग की कविता को प्रासंगिक बताया और बचपन की याद' कविता सुनाकर सबको उनके बचपन और पैतृक स्थाल की याद दिला दी। इकाई सचिव डॉ. बिनी वर्गीस ने अध्यक्षता की। केरल-प्रथम इकाई अध्यक्ष डॉ रामचन्द्र नायर ने नेतागिरी और चमचागिरी पर कविता सुनाई। दक्षिण प्रांत प्रभारी विजय मोहनसिंह, महिला काव्य मंच प्रभारी सरला विजयसिंह, श्रीदेवी, डॉ मंजू रामचंद्रन, डॉ राधा जनार्दन, लक्ष्मी सुरेंद्रन, एम. नन्दना, लक्ष्मी सुरेश, आलोक जायसवाल, डॉ सुजीत एन तंपी, डॉं. गीता विश्वकर्मा, दिव्या रानी के एस, डॉं. राजेश पुतुमना, डॉ. कविता आदि ने कविताएँ प्रस्तुत कीं्। डॉ रंजित रवि सैलम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। दिव्या रानी ने अच्छा संचालन किया।

भक्ति यात्रा

बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए शुक्रवार को पाकिस्तान रवाना होने से पहले खुशी जताते सिख तीर्थयात्री।

महिला विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के भीनमाल जैन संघ के तत्वावधान में भीनमाल स्पोर्ट्स कमेटी द्वारा आयोजित भीनमाल बॉक्स महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में पीएस टेक्स टीम ने संघवी सिक्सर टीम को हराकर कप पर कब्जा किया। वाणीगोता स्ट्राइकरस टीम ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। संघ व कमेटी के सदस्यों ने सभी प्रायोजकों व लाभार्थियों का सम्मान करते हुए धन्यवाद दिया तथा विजेताओं को सम्मानित किया।

आध्यात्मिक उन्नति और सौभाग्य प्राप्ति का प्राचीनतम मंत्र है नवकार मंत्र : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर द्वारा गुरुवार को आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित नवकार महामंत्र जाप में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्र मानवजाति के खोजे हुए अत्यंत प्राचीन अद्भुत आविष्कार है। उनका अपना अनूठा ध्वनिविज्ञान हैं। तीन या तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्रों का निर्माण हुआ है। ॐ, ह्रीं, श्रीं, क्लीं जैसे अनेक बीजमंत्र आज भारतीय मंत्रसाहित्य और साधना पद्धति की अमूल्य धरोहर हैं। ॐ और ह्रीं बीजमंत्रों में वैदिक परंपरा ब्रह्मा, विष्णु व महेश्वर की परिकल्पना करती है, जबकि जैन परंपरा उनमें चौबीस तीर्थंकर और पंच परमेष्ठी का प्रतिष्ठापन मानती है। मंत्र आध्यात्मिक साधना और भौतिक उन्नति और आत्मरक्षा के कारक तत्व माने जाते हैं। हजारों वर्ष बाद आज भी वे विज्ञान की पहुंच से परे हैं। ध्वनिविज्ञान के क्षेत्र में हो रही शोधखोल में विज्ञान अब ॐ, ह्रीं जैसे बीजमंत्रों की शक्ति और उनके महत्व को पहचानने लगा है। ङ्गउन्होंने कहा कि नवकार आध्यात्मिक उन्नति और सौभाग्य की प्राप्ति का प्राचीनतम मंत्र है। हजारों वर्ष प्राचीन साहित्य और शिलालेखों में इसकी दिव्य साधना का मार्गदर्शन मिलता है। यह व्यक्तिवादी या संप्रदायवादी नहीं, बल्कि समष्टिवादी मंत्र है। यह गुणों और आत्म उपलब्धियों की निर्मल साधना है। यह भूत, भविष्य और वर्तमान की मुक्त सिद्धात्माओं एवं पवित्रतम साधकों की उपासना है। नवकार कल्प में उल्लेख मिलता है कि जिसके हृदय में इस मंत्र का निवास हो, वहां दूसरी किसी शक्ति का प्रभाव नहीं होता, इसलिए इसे मंगलकारी मंत्र कहा जाता है। अपने हृदय में अष्ट कमलदल बनाकर इसका पद व वर्ण के अनुसार किया गया भावपूर्ण ध्यान साधक को सिद्धि, शांति और अपार शक्ति प्रदान करता है।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने आगे कहा कि इच्छा-तृष्णा, भोग-विलास, क्रोध, कामना आदि से मुक्त होने और आंतरिक दिव्य शक्तियों को उजागर करने के लिए हर वर्ग के लिए विधिपूर्वक नवकार महामंत्र की साधना अत्यंत आवश्यक है। भटकती दुनिया और भ्रमित मानसिकता को नवकार महामंत्र शांति और सही दिशा प्रदान कर सकता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.